संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 240
पृष्ठ 8
बुधवार
21 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मोबाइल ने टेढ़ी कर दी हड्डियां...

विचार- आ रहे हैं घर सभी जद में

खेल- लखनऊ समेत 5 टीमें प्लेऑफ की...

विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र को पीएम मोदी ने किया संबोधित, बोले-

हमारे पास हज़ारों स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का एक नेटवर्क

जिनेवा, एजेंसी। जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य सभा का विषय 'स्वास्थ्य के लिए एक विश्व' है। यह वैश्विक स्वास्थ्य के लिए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। जब मैंने 2023 में इस सभा को संबोधित किया था, तो मैंने 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के बारे में बात की थी। मोदी ने कहा कि स्वस्थ दुनिया का भविष्य समावेश, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है। समावेश भारत के स्वास्थ्य सुधारों के मूल में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आयुष्मान भारत चलाते हैं – जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। यह 580 मिलियन लोगों को कवर

करता है और मुफ्त उपचार प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को हाल ही में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीयों को कवर करने के लिए बढ़ाया गया था। हमारे पास हज़ारों स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का एक नेटवर्क है। वे कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की जांच और पता लगाते हैं। हज़ारों सार्वजनिक फार्मासिस्ट बाज़ार मूल्य से बहुत कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाएँ प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक है। हमारे पास गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण को ट्रैक करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है। लाखों लोगों के पास एक अनूठी डिजिटल स्वास्थ्य पहचान

स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के महत्व पर दिया जोर

है। यह हमें लाभ, बीमा, रिकॉर्ड और जानकारी को एकीकृत करने में मदद कर रहा है। टेलीमेडिसिन के साथ, कोई भी डॉक्टर से बहुत दूर नहीं है। हमारी निःशुल्क टेलीमेडिसिन सेवा ने 340 मिलियन से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विश्व का स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम सबसे कमजोर लोगों की कितनी अच्छी तरह देखभाल करते हैं। वैश्विक दक्षिण विशेष रूप से स्वास्थ्य चुनौतियों से प्रभावित है। भारत का दृष्टिकोण अनुकरणीय, मापनीय और टिकाऊ मॉडल प्रदान करता है। हमें अपने अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को दुनिया, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के साथ साझा करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जून में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष इसका थीम है 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग'। मोदी ने कहा कि दुनिया को योग देने वाले देश से होने के नाते, मैं सभी देशों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूँ। मैं विश्व स्वास्थ्य संगठन और सभी सदस्य देशों को INB संधि की सफल वार्ता के लिए बधाई देता हूँ। यह भविष्य की महामारियों से लड़ने और स्वस्थ ग्रह का निर्माण करने के लिए अधिक सहयोग के साथ एक साझा प्रतिबद्धता है। आइए हम सुनिश्चित करें कि कोई भी पीछे न छूटे।

परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन का निधन

चेन्नई, एजेंसी। परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। देश के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया और पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक अपनी सेवा दी थी। उन्होंने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर देश के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था। वप्र 1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला। वर्ष 1987

में डॉ श्रीनिवासन को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी साल वे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक अध्यक्ष भी बने। उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय विस्तार हुआ और उनके मार्गदर्शन में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयां विकसित की गईं, जिनमें सात चालू हो गई थीं और सात निर्माणाधीन थीं। इसके अलावा, चार योजना चरण में थीं। परमाणु विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए डॉ. श्रीनिवासन को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी बेटी शारदा श्रीनिवासन ने परिवार की ओर से जारी एक बयान में कहा, दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी प्रतिभा और राष्ट्र के प्रति अथक सेवा की उनकी विरासत भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। डॉ. श्रीनिवासन की मृत्यु भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी इतिहास में एक युग का अंत है।

खिलाड़ियों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार पर खिलाड़ियों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीमती गुप्ता ने आज यहां तालकटोरा स्टेडियम में दिल्ली खेल–2025 के उद्घाटन के बाद कहा कि दिल्ली के खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिलनी

चाहिए जो उनके लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा," हमने पिछली सरकारों के समय में देखा है कि दिल्ली के खिलाड़ियों को सुविधाएं नहीं मिलने के कारण उन्हें अन्य राज्यों में जाकर अपना नाम पंजीकृत करवाना पड़ता था। हम युवाओं को खेलों की सभी सुविधाएं देंगे ताकि दिल्ली के खिलाड़ी दिल्ली के साथ रहें और दिल्ली का नाम रोशन करें।" उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के साथ–साथ उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेगी। दिल्ली सरकार ने अपने खेल बजट को दोगुना किया है और खिलाड़ियों के पुरस्कार राशि को भी चार गुना किया है ताकि दिल्ली का खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पिछड़ा न रहे। उन्होंने कहा," मैं विकसित भारत की तर्ज पर विकसित दिल्ली को देखती हूं तो उसमें दिल्ली खेल के माध्यम से दिल्ली का नाम रौशन हो यह रास्ता अपनाना जरूरी है।" मुख्यमंत्री ने कहा,"ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की उपलब्धि पर पूरा देश गौरवान्वित है। आपरेशन सिंदूर ने जो आतंकवादियों के साथ किया वह केवल सॉफ्ट बॉल थी। पिक्चर अभी बाकी है। उसके लिए यह है कि देश का हर नागरिक अपने आप को तैयार कर ले।"

सवाल पूछने वालों को चुप कराना भाजपा सरकार की प्राथमिकता : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार ने गुजरात समाचार के संचालक को गिरफ्तार करके यह साबित कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता पहलगाम हमले के आतंकवादियों को गिरफ्तार करना नहीं बल्कि उससे इस मुद्दे पर सवाल पूछने वालों का मुंह बंद करना है। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस सदस्य जिग्नेश मेवानी और सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा," गुजरात की भाजपा सरकार दलित, पिछड़ा वर्ग, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर उन्हें बेघर कर रही है और जो भाजपा के आलोचक हैं उनको टारगेट किया जा रहा है। इन सब स्थितियों से साफ है कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता पहलगाम हमले के गुनहगारों को सजा देना नहीं बल्कि सरकार से सवाल पूछने वाले गुजरात समाचार जैसे संस्थानों का मुंह बंद करने के लिए उसके संचालक को प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के जरिए गिरफ्तार करवाना जैसे काम रह गये हैं।" उन्होंने गुजरात प्रदेश कांग्रेस की ओर से श्गुजरात समाचारश पर की गई कार्रवाई की कड़ी निंदा की और कहा कि पिछले कुछ दिनों में भाजपा सरकार ने कई मीडिया संस्थानों पर हमला किया है। उन्होंने कहा," अब गुजरात सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह सवाल पूछने पर अभी और पत्रकारों को भी टारगेट करेगी। सरकार नहीं चाहती कि कोई भी पत्रकार या बुद्धीजीवि सरकार से तीखे सवाल पूछे। श्गुजरात समाचारश ने कांग्रेस के खिलाफ भी लिखा है लेकिन हमने कभी उनके यहां ईडी या सीबीआई नहीं भेजी या कभी छापेमारी नहीं करवाई।" कांग्रेस नेताओं ने कहा," पहलगाम हमले के बाद, देश देखना चाहता है कि कब मोदी सरकार हमले के जिम्मेदार आतंकवादियों को गिरफ्तार करेगी। वो आतंकवादी कहां चले गए, वे पाकिस्तान वापस चले गए या भारत की जमीन पर हैं।

मुख्यधारा की राजीनीति सभी समस्याओं की जड़ : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को 75 साल से चली आ रही मुख्यधारा की राजीनीति को सभी समस्याओं की जड़ करार देते हुए वैकल्पिक राजनीति की वकालत की जिसमें विकास और मोहब्बत की राजनीति हो। श्री केजरीवाल ने आज यहां पार्टी की छात्र इकाई एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एएसएपी) के लांच के अवसर पर मुख्यधारा और वैकल्पिक राजनीति का अंतर बताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर हमले किए। उन्होंने कहा कि मुख्यधारा की राजनीति करने वाले नेताओं के बच्चे विदेश में पढ़ते हैं, जबकि यहाँ वह चौबीस घंटे हिंदू–मुसलमान कराते हैं। उन्होंने कहा," देश के सामने शिक्षा, रोजगार, अस्पताल से जुड़ी तमाम समस्याएं और उनकी जड़ आज की राजनीति है। पचहत्तर साल से जो राजनीति चली आ रही वही सभी समस्याओं की जड़ है।

हमारी जिंदगी के हर मुद्दे राजनीति से जुड़े हैं। हर काम में राजनीति है। राजनीति का हिस्सा सभी को बनना पड़ेगा और यह समझना पड़ेगा कि मुख्यधारा की राजनीति सभी समस्याओं की जड़ है।" श्री केजरीवाल ने कहा," दिल्ली में हमने जिस प्रकार की राजनीति की उसे वैकल्पिक राजनीति कहते हैं। हमने जो शानदार स्कूल बनाये उसे अब बर्बाद करना शुरू कर दिया गया। हमने शिक्षा माफिया को ध्वस्त कर दिया था लेकिन नई सरकार बने तीन महीने नहीं हुए स्कूलों की फीस बढ़ा दी। स्कूल के बाहर बाउंसर लगा दिए और निजी स्कूल मनमानी कर रहे हैं। हमने दिल्ली में चौबीस घंटे बिजली कर दी थी, यही वैकल्पिक राजनीति थी। अब बिजली कंपनियों की मनमानी चलने लगी है और बिजली कटौती बढ़ गई है।" उन्होंने कहा," केंद्र भाजपा और कांग्रेस जमकर भ्रष्टाचार करते हैं। यही मुख्यधारा की राजनीति है,लेकिन हमने वैकल्पिक राजनीति की। ईमानदारी से लोगों का दिल जीतना ही वैकल्पिक राजनीति है। गुंडागर्दी और डरना धमकाना इनकी राजनीति है लेकिन देश को विकास के पाथ पर ले जाना वैकल्पिक राजनीति है।" उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एएसएपी) के ज़रिए एक नई पीढ़ी तैयार की जाएगी जो राजनीति को बदलेगी।

तेलंगाना : निजी बस के खड़ी लॉरी से टकराने से चार लोगों की मौत, कई घायल

विकाराबाद (तेलंगाना), एजेंसी। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में मंगलवार तड़के एक निजी बस के खड़ी लॉरी से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के चेनवेल्ली गांव के 60 लोगों का एक समूह परिगी में एक डिनर पार्टी में शामिल होने के बाद बस से घर लौट रहा था, तभी परिगी मंडल के रंगपुर के पास बीजापुर–हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह दुर्घटना हुई। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने परिगी सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को बाद में बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए हैदराबाद के उस्मानिया सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। राजमार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और कई किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

कोविड पर सतर्क है सरकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। सिंगापुर और हांगकांग में कोविड संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय देश में अत्यधिक सतर्कता बरत रहा है और स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है। मंत्रालय में कोविड संक्रमण के मामलों से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सरकार सतर्कता बरत रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल देश में चिंता की कोई बात नहीं है। सूत्रों के अनुसार हांगकांग और सिंगापुर के घटनाक्रमों के मद्देनजर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की

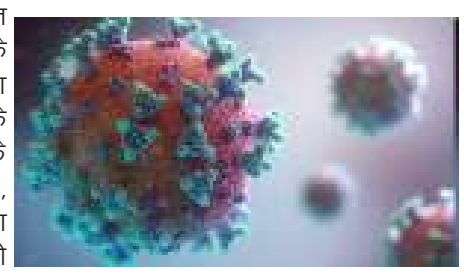

अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक बुलाई गई। बैठक में कहा गया है कि भारत में वर्तमान में कोविड–19 स्थिति नियंत्रण में है। आंकडों के अनुसार 19 मई, 2025 तक, भारत में सक्रिय कोविड–19 मामलों की संख्या 257 है, जो देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम आंकड़ा है। इनमें से लगभग सभी मामले हल्के हैं और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। देश में कोविड–19 समेत श्वसन वायरल बीमारियों की निगरानी के लिए एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) और आईसीएमआर के माध्यम से एक मजबूत प्रणाली भी मौजूद है। सूत्रों ने कहा कि सरकार स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और सतर्कता और सक्रियता बनी हुई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाने सुनिश्चित किये जा रहे हैं। हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में पिछले कुछ हफ़्तों में सिंगापुर और हांगकांग में कोविड–19 के मामलों में वृद्धि को उजागर किया गया है। उपलब्ध प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मामले ज़्यादातर हल्के हैं, असामान्य गंभीरता या मृत्यु दर से जुड़े नहीं हैं। गौरतलब है कि सिंगापुर और हांगकांग में पिछले सप्ताहों में तेजी वृद्धि देखी गयी है।

देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए पुलिस का आधुनिकीकरण जरूरी : योगी

कासगंज, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये पुलिस बल का आधुनिकीकरण बहुत जरुरी है। कासगंज में 724 करोड़ रुपये की 60 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर उन्होंने 25.63 हेक्टेयर में फैली नवनिर्मित अत्याधुनिक पुलिस लाइंस का उद्घाटन भी किया, इसे बनाने में 191 करोड़ रुपये खर्च किए गये हैं। योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार कासगंज की पौराणिक और आध्यात्मिक विकास के साथ ही यहां की बुनियादी सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 2008 में बना कासगंज जिला विकास के लिए तरस रहा था। 2017 से पहले की सरकारों के एजेंडे में विकास कभी नहीं रहा, अराजकता और भ्रष्टाचार ही उनकी पहचान थी। आज कासगंज विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कासगंज में नवनिर्मित पुलिस लाइंस उत्तर प्रदेश पुलिस की आधुनिकीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि 191 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह पुलिस लाइंस 1,000 पुलिस कर्मियों के लिए बैरक, अधिकारियों के लिए आवासीय सुविधाएं, ऑडिटोरियम और अन्य आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। उन्होंने कहा कि पहले पुलिस कर्मी टूटी–फूटी बैरकों में रहने को मजबूर थे, लेकिन अब हाई–राइज इमारतों में शानदार आवासीय सुविधाएं दी जा रही हैं। यह पुलिस लाइंस देश के लिए एक मॉडल है। योगी ने उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम की तारीफ करते हुए कहा कि यह पुलिस को सशक्त बनाने और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सीएम ने कहा कि आज यूपी पुलिस माफियाओं के लिए काल बन चुकी है। कोई माफिया समानांतर सरकार नहीं चला सकता, न ही गरीब की संपत्ति पर कब्जा कर सकता है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा पर सेंध लगाने की कोशिश करने वालों को अब यमराज का इंतजार करना पड़ता है। उन्होने कहा कि जैसे देश की सुरक्षा के लिए पीएम मोदी के सेना का आधुनिकीकरण किया, जिसका परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में देखनो को मिला, जब भारतीय सेना ने

पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया। उन्होंने कहा कि अगर हमारे पास मजबूत सेना और बहादुर जवान न होते, तो देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी। आज भारतीय सेना दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने की क्षमता रखती है। वैसे ही देश और राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिए पुलिस का आधुनिकीकरण करना जरूरी है। योगी ने 2017 से पहले की समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकारों पर जमकर निशाना साधा।

ट्रामा सेंटर में एसी खराब, छूट रहा पसीना

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में एसी खराब होने का खामियाजा मरीज–तीमारदार ही नहीं बल्कि डॉक्टर और नर्स भी उठा रही हैं। ट्रामा सेंटर यदि कोई घायल मरीज आता है तो उसके टांका लगाने में डॉक्टरों को पसीना आ जाता है। ट्रामा सेंटर के चार वार्डो में लगभग 42 बेड हैं। लेकिन भूतल, प्रथम व द्वितीय तल के किसी वार्ड में एसी नहीं चल रही है। एसी न चलने से वार्ड में गर्मी व उसम से मरीजों को परेशानी होती है। एसी न चलने से कई गंभीर रेफर कराकर दूसरे अस्पताल में भी चले जाते हैं। वहीं दूसरे तल पर तीन सीलिंग फैन भी गायब हैं, जिससे तीमारदार गर्मी से परेशान रहते हैं। ट्रामा सेंटर के अलाव गैस्ट्रोलॉजी विभाग में मरीजों को गर्मी व उमस से परेशानी हो रही है। गैस्ट्रोलॉजी विभाग के किसी वार्ड में एसी नहीं लगी है। चार वार्डो में तीन कूलर लगे हैं, जिसमें दो खराब हैं।

एसआरएन में रेडिएशन थेरेपी शुरू

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में लाइसेंस संबंधी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब नियमित रूप से मरीजों की रेडिएशन थेरेपी शुरू हो गई है। एक दिन में लगभग 35 से 40 मरीजों की थेरेपी की जाती है। डॉक्टरों के अनुसार रेडियशन थेरेपी से मरीज के अंदर पल रहे कैंसर की कोशिकाओं को कमजोर करने के साथ कैंसर को शरीर के दूसरे अंगों में फैलने से रोकने में मदद मिलती है। निजी अस्पतालों में रेडिएशन थेरेपी कराने का खर्च लगभग एक से 1.50 लाख रुपये है। कैंसर विभाग की ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 100 मरीज आते हैं इसमें लगभग 8–10 मरीजों को रेडिएशन की कीमोथेरेपी की जरूरत रहती है।

देशी तमंचा व कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

प्रयागराज। सोरांव थाने की पुलिस ने दो शातिर को एक देशी तमंचा व दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रोही गांव के समीप घेरेबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। आरोपी विकास कुमार निवासी छीतेमऊ थाना मऊआइमा और राजकरन पाल उर्फ सज्जन पाल निवासी बाहरपुर थाना होलागढ़ शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों को धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। हालांकि दोनों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। पुलिस पूछताछ के आधार पर तमंचा व कारतूस सप्लाई करने वाले गिरोह की तलाश में जुटी है।

व्यापार मंडल ने की मासूम छात्र की संदिग्ध मौत के खुलासे की मांग

प्रयागराज। नैनी के महेवा पश्चिम पट्टी इलाके के मासूम नर्सरी के छात्र की संदिग्ध मौत छह दिन बाद भी रहस्य बनी हुई हैं। परिजनों ने स्कूल की दो शिक्षिकाओं पर जोरदार थप्पड़ मारने से मौत होने का आरोप लगाया था। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने और शिक्षिकाओं से पूछताछ के बावजूद अब तक पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है। इधर, नैनी व्यापार मंडल एवं

व्यापार मंडल नैनी के पदाधिकारियों ने पार्षद राकेश जायसवाल के नेतृत्व में मृत मासूम छात्र के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। बच्चे के पिता और माता से बात की। इसके बाद छात्र के पिता के साथ प्रतिनिधि मंडल ने नैनी थाना प्रभारी से मिलकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। चेताया कि यदि जल्द ही पुलिस ने मामले का खुलासा नहीं किया, तो आंदोलन को बाध्य होंगे। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष सुभाषचंद्र केसरवानी, राकेश जायसवाल, महामंत्री घनश्याम जायसवाल, नाजिम खान, राजेश केसरवानी आदि शामिल रहे।

कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की होगी निगरानी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षा जून–2025 का आगाज 31 मई से होगा। परीक्षा की तैयारी को मूर्त रूप देने में विश्वविद्यालय प्रशासन शिद्दत से जुटा है। परीक्षाओं की निगरानी के लिए विश्वविद्यालय परिसर में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। मुक्त विवि स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसमें दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम पूर्व में ही जारी कर दिया था। पूर्व प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार यह परीक्षा 15 मई से शुरू होनी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से अब 31 मई से आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि परीक्षा 31 मई से शुरू होगी। इसके लिए तैयारी अंतिम दौर में है। कितने केंद्रों पर, परीक्षार्थी कितने होंगे, इसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। परीक्षा केंद्र निर्धारण के बाद मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रवेश पत्र अपलोड कर दिया जाएगा।

हनुमान मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज। ज्येष्ठ महीने के दूसरे बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में भक्तों की आस्था उमड़ पड़ी। बंधवा स्थित लेटे हुए हनुमान मंदिर, सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन व दारागंज के संकटमोचन हनुमान सहित अन्य मंदिरों में भोर से भक्तों की कतार देखी जाने लगी। बजरंगबली का दर्शन–पूजन करने के दौरान मंदिरों का परिसर जय श्रीराम, जय–जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। तुलसी की माला, लड्डू चढ़ाने के लिए होड़ लगी रही तो मंदिर परिसर में बैठकर भक्तों ने हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ करते रहे। बंधवा स्थित मंदिर के बाहर दूरदराज के क्षेत्रों से मनोकामना की पूरी होने पर निशान चढ़ाने वालों की भी खूब भीड़ रही।

प्रेमिका के संबंध तोड़ने पर नाराज युवक ने गोली मारकर दी जान

प्रयागराज। शहर के करैलाबाग में एक युवक ने प्रेमिका की ओर से संबंध तोड़ने से नाराज होकर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। ससुर खदेरी नदी के किनारे रक्तरंजित शव मिलने के बाद घटना की जानकारी हुई। मृतक की पहचान अंबेडकर नगर के पुनीत प्रजापति के रूप में हुई। पुलिस ने घटनास्थल से तमंचा व कारतूस भी बरामद की। अंबेडकर नगर जिले के आलापुर थानांतर्गत भदैया गांव निवासी राजमन प्रजापति के पांच बेटों में सबसे छोटा 20 वर्षीय पुनीत प्रजापति करैलाबाग में जगदीश के मकान में किराए पर रहता था। उसके साथ उसके दो बड़े भाई बलवंत प्रजापति व हेमंत प्रजापति के अलावा गांव के ही शैलेष यादव, बृजभान व सूरज यादव भी रहते थे।

सड़क पर बहता है सीवर का पानी, समाधान नहीं, हो रही आनाकानी

प्रयागराज। चांदपुर सलोरी में चोक सीवर लाइन लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। सड़क पर सीवर का गंदा पानी जमा हो रहा है। बारिश होने पर समस्या और जटिल हो जाती है। सीवर का गंदा पानी घरों तक आ जाता है। जाम नाला कोढ़ में खाज का काम कर रहे हैं। गंदगी और दुर्गंध के कारण लोगों का जीना दुश्वार हो चला है। पेयजल के बिछाई गई पाइप लाइनें भी जगह–जगह से क्षतिग्रस्त है जिसके कारण गंदा पानी घरों के नलों में आ रहा है। लोगों ने इसकी शिकायत कई बार विभागीय जिम्मेदारों और स्थानीय पार्षद से भी की लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

यहां के लोग जिम्मेदारों की बेरुखी से काफी आहत दिखे। यहां के बाशिंदों का कहना है कि नगर निगम सभी कर वसूल रहा है लेकिन इलाके की समस्याओं के निवारण के लिए कतई गंभीर नहीं है। जाम सीवर लाइनों के कारण चांदपुर सलोरी के एक बड़े हिस्से में लोग परेशान हैं। लोग मुख्य सीवर लाइन के चोक होने की लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन शिकायतें अनसुनी कर दी जा रही हैं। सीवर का गंदा पानी ओवर फ्लो कर सड़क पर जमा हो जा रहा है। सादियाबाद मोड़ के पास सड़क किनारे सीवर का पानी जमा हो रहा है। जिससे उठने वाली दुर्गंध से आना–जाना मुहाल है। जाम नाला के साथ ही नालियों पर अतिक्रमण ने समस्या को और जटिल बना दिया है। समय रहते समाधान न किया गया तो बस्ती में कभी भी बीमारी फैल सकती है। यहां महाकुम्भ के दौरान सड़क चौड़ीकरण किया गया। मार्ग के दोनों तरफ अतिक्रमण हटा कर सड़क चौड़ी कर दी गई। और भी काम कराए गए लेकिन सीवर की समस्या को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया जिससे लोग मायूस हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश के दिनों में उनकी समस्या काफी बढ़ जाती है। सीवर लाइन चोक होने के कारण गंदा पानी ओवर फ्लो कर घरों में चला आता है। कई बार की शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों ने सीवर लाइनों की सफाई की जरूरत नहीं समझी जिसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। यहां नालों की दशा भी कमोवेश इसी प्रकार की बताई जा रही है। नालों में सिल्ट जमा है जिससे पानी की निकासी पूरी तरह से नहीं हो पा रही है। जाम नालों के कारण पानी का बहाव नहीं हो पा रहा है और सड़क पर चला आ रहा है। बलदाऊ मंदिर के पास तो नाला ध्वस्त ही हो गया है जिसे बनाया जाना बेहद जरूरी है। लोगों ने बताया कि यहां पक्का नाला बनना था लेकिन सड़क के बीच से पाइप

डाल कर नाले को दूसरे हिस्से से जोड़ दिया गया, नाला नहीं बन पाया। सड़क के बीच से गुजरी पाइप लाइन की मोटाई इतनी कम है कि फ्लो तेज होने पर पानी निकल नहीं पाता। यहां पक्का नाला बनाया जाना बेहद जरूरी समझा जा रहा है। जाम नालों के साथ ही नालियों पर अतिक्रमण भी समस्या पैदा कर रही है। कई जगह तो नालियां बनी ही नहीं हैं जिससे जल निकासी की समस्या पैदा हो रही है।

लोगों ने बताया कि इसकी शिकायत जोन कार्यालय पर की गई, तत्कालीन नगर आयुक्त को शिकायती पत्र दिया गया, स्थानीय पार्षद से कहा गया लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। सोने नहीं देते मच्छर, रुलाती है बिजली इलाके में बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हालत यह है कि पूरे दिन में लोगों को बमुश्किल दस से बारह घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कुछ–कुछ घंटे के अंतराल पर बिजली चली जाती है जिससे परेशानी का सामना करना पड़ता है। जल भराव एवं गंदगी के कारण मच्छरों की तादात भी बढ़ गई है जो सोने नहीं देती। मच्छर और बिजली कटौती के कारण लोगों की नींद हराम हो गई है।

सीवर लाइन चोक है, जिससे गंदा पानी सड़क पर बहता है। लोग लगातार शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन अधिकारी इस गंभीर समस्या से अनजान बने हुए हैं। समस्या का निदान जरूरी है।–तरुण सोनकर सीवर जाम होने के कारण गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है, इससे आने–जाने में काफी परेशानी हो रही है। बारिश में समस्या और बढ़ जाती है, गंदा पानी घरों तक आ जाता है।–आफताब जरा सी बारिश हो जाए तो रहना मुश्किल हो जाता है। सीवर का पानी घरों में चला आता है। कई बार शिकायत की गई लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे समस्या जटिल हो चुकी है।–विकास भारतीया नल से गंदा पानी आता है, इससे लोग परेशान हैं। लगातार शिकायत के बावजूद भी समस्या बनी हुई है। इस समस्या का समाधान बेहद जरूरी है अन्यथा बस्ती में बीमारी कभी भी फैल सकती है।–कमला देवी सीवर चोक होने और नाले की समस्या से लोग परेशान हैं। लगातार शिकायत के बावजूद अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। जिम्मेदार ध्यान दें तो समस्या खत्म हो जाए।–बृजेश उपाध्याय नाले और सीवर की सफाई कराकर पेयजल की पाइप लाइन बदली जाए तो काफी राहत मिलेगी। लोग बराबर इसकी मांग कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदार बेफिक्र बने हुए हैं और जनता परेशान हैं।–ओमप्रकाश पाल नाला चोक पड़ा है, मंदिर के पास तो नाला का वजूद ही नहीं बचा है। उम्मीद थी कि कुम्भ के दौरान नाले का निर्माण हो जाएगा। तमाम काम हुए पर नाला नहीं बनाया गया। नाला बन जाए तो राहत मिले।–मुन्ना पाल सीवर लाइन जाम होने के कारण सड़क पर पानी लग जा रहा है। चौम्बरों की सफाई नहीं हो रही है। कई चौम्बर पाट दिए गए हैं। लोग शिकायत कर उकता चुके हैं लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।–भानु प्रकाश सीवर और नाले की शिकायत कई बार की लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। जरा सी बारिश होती है तो घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। समस्या गंभीर है समाधान होना बेहद जरूरी है।–फूलचन्द्र पेयजल की पाइप लाइन कई जगह से खराब हो गई है। क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के जरिए गंदा पानी नलों में आ रहा है। खराब पाइप लाइनें बदल कर नई बिछाई जाए गंदे दूषित जलापूर्ति से छुटकारा मिल सकेगा।–शिवशंकर नाला बनना जरूरी है नहीं तो बारिश में रहना मुश्किल हो जाएगा। चोक नाले की सफाई भी जरूरी है। लोग लगातार इसकी शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन समाधान नहीं किया जा रहा है।–गुड्डू सीवर की समस्या लम्बे समय से चली आ रही है। लोगों ने इसकी शिकायत जोन कार्यालय पर की, तत्कालीन नगर आयुक्त को भी शिकायती पत्र देकर समस्या के निदान की मांग की गई लेकिन कुछ नहीं हुआ।–विनोद पाल चुनाव के समय बड़े बड़े वादे किए जाते हैं लेकिन उसके बाद जनप्रतिनिधि आंख फेर लेते हैं। सीवर लाइन की समस्या के लिए भी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा गया लेकिन समाधान नहीं हुआ।–महेश लोग नगर निगम को सभी कर अदा करते आ रहे हैं, समस्या के निराकरण की जिम्मेदारी भी इसकी है लेकिन निगम समस्या से अनजान बना हुआ है। जिम्मेदार सुन रही नहीं रहे हैं।–नंदलाल यादव सीवर की समस्या बेहद गंभीर है, लोग लम्बे समय से इसके निदान की मांग कर रहे हैं लेकिन न अधिकारी ध्यान दे रहे हैं न जनप्रतिनिधियों को फिक्र है। अगर अधिकारी ध्यान दें तो समस्या का समाधान तत्काल हो जाए।–राहुल जगह–जगह सड़क पर सीवर का गंदा पानी लगा हुआ है। जलभराव से लोग परेशान हैं। सीवर और नाले की सफाई बेहद जरूरी है, इस पर गंभीरता से काम होना चाहिए वरना बारिश में जीना मुहाल हो जाएगा।–शुभम पाल आधे–आधे घंटे के अंतराल में बिजली कट जाती है। इससेबच्चों को काफी दिक्कत हो रही है। रात में बिजली कटौती के कारण लोग सो नहीं पाते। बिजली विभाग बिल भेजने में देरी नहीं करता लेकिन आपूर्ति नहीं दे रहा।–गणेश जायसवाल

सड़क बनते समय चौम्बरों को पाट दिया गया जिससे समस्या बढ़ गई। चोक सीवर लाइन की सफाई के साथ चौम्बरों को ठीक कराया जाना बेहद जरूरी है वरना समस्या आने वाले दिनों में गंभीर रूप धारण कर लेगी।–राजू बलदाऊ

- सीवर लाइनें चोक हैं, गंदा पानी सड़क एवं घरों के मुहाने पर जमा हो रहा है।
- पेयजल की पाइप लाइन जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है, नलों से गंदा पानी आ रहा है।
- नाला भी जाम है, नाले में जमा सिल्ट को हटाया नहीं जा रहा है।
- अनियमित बिजली कटौती के कारण आम दिनचर्या प्रभावित हो रही है।
- चोक सीवर लाइनों एवं चैम्बरों की सफाई कराकर नियमित रखरखाव किया जाए।
- क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को चिह्नित कर मरम्मत की जाए और जरूरत पर बदली जाए।
- ध्वस्त नाले का निर्माण करा कर नियमित सफाई कराई जाए।
- बिजली की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, कटौती का समय निर्धारित हो।

6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

प्रयागराज समालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज प्रयागराज द्वारा आज 20.05. 2025 को यूजीसी एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत आज छरू दिवसीय(20–26 मई 2025) प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई जिसका विषय – 'शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन ई– कंटेंट डेवलपमेंट एंड ई–एजुकेशनल प्लेटफॉर्म्स' था। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएमटीटीसी के निदेशक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने की और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि किसी भी डिजिटल कंटेंट की योजना बनाते समय श्रोताओं, विद्यार्थियों, अध्येताओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट उद्देश्य तय करने चाहिए, साथ ही डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, दूर दराज के क्षेत्र की समस्याएं,पारंपरिक युग से इलेक्ट्रॉनिक युग की ओर हो रहे बदलाव पर उन्होंने विस्तृत चर्चा की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ए के बक्शी संस्थापक कुलपति पीडीएम यूनिवर्सिटी हरियाणा ने अपने वक्तव्य में '21वीं सदी मे उच्च शिक्षा के समक्ष आने वाली चुनौतियॉ' तथा 'ई–लर्निंग मुख एवं स्वयं प्लेटफार्म के विशेष संदर्भ में उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन' पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 का संक्षिप्त परिचय देते हुए इसके पीछे के उद्देश्यों को समझाया तथा नई शिक्षा नीति के दो प्रमुख पक्षों को रेखांकित किया जिसमें भारत को एक नॉलेज सुपर पावर बनाना तथा भारत को वैश्विक अध्ययन गंतव्य के रूप में विकसित करना। बक्शी सर ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पांच स्तंभों सुगम्यता, गुणवत्ता, समानता, वहनीयता और जबाबदेही पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आज के शिक्षकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिससे छात्रों के लिए रोजगार के अनिश्चितता, सतत विकास के पाठ्यक्रम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका बढ़ गई है। बक्शी सर ने छात्रों के लिए गहन विषय ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया और उन्होंने अन्तर विषयक ज्ञान को बढ़ावा देने की

आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि भारत को 1930 के पश्चात अभी भी नोबेल पुरस्कार क्यों नहीं मिल रहा जिससे स्पष्ट होता है कि हमें अनुसंधान पर आधारित अध्ययन एवं कौशल आधारिक पाठ्यक्रम और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाली मूल्यांकन प्रणाली को अपनाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज) के विकास में आने वाली चुनौतियों को रेखांकित किया जैसे कि उच्च स्तर की प्रामाणिकता और सहभागिता की आवश्यकता, शिक्षकों और तकनीकी टीम के समन्वय में कमी और क्षेत्रीय भाषा में, स्थानीय भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराने की चुनौतियां आदि। अपने व्याख्यान के अंतिम भाग में उन्होंने मानव शिक्षक और रोबोट शिक्षक की अवधारणा पर बात की तथा कहा कि भविष्य में दोनों को साथ–साथ काम करना होगा लेकिन वास्तविक जुड़ाव और सामाजिकता के लिए मानव शिक्षक की भूमिका सदैव आवश्यक और प्रासंगिक रहेगी । कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र ज्ञानवर्धक और प्रेरणादाई रहा जिसमें आधुनिक शिक्षा प्रणाली में एक कंटेंट और डीजल प्लेटफार्म की भट्ट पर बोल दिया गया यह ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रतिभागियों को तकनीकी दक्षता और नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत प्रशिक्षण केंद्र के सहायक निदेशक डॉक्टर मनोज दुबे ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन एवं रूपरेखा कार्यक्रम के संयोजक डॉ अरविंद कुमार मिश्र द्वारा प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि वक्ता का परिचय डॉ रश्मि जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र के वक्ता डॉ मनीष कुमार अस्थाना आईआईटी रुड़की ने 'ट्रेंड्स इन डेवलपमेंट ऑफ़ ई– कंटेंटरू एन ओवरव्यू' विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि ई –कंटेंट सामग्री निर्माण के लिए एडी(।क्वप्) पद्धति को दर्शाती है। यह पांच चरणों विश्लेषण, डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन वाला एक निर्देशात्मक डिजाइन है।ई कंटेंट को कभी भी और कहीं भी एक्सेस किया जा सकता है कंटेंट का विकास पारंपरिक कक्षा आधारित निर्देश की तुलना में अधिक लागत प्रभावी हो सकता है क्योंकि यह भौतिक सामग्रियों और संसाधनों की आवश्यकता को समाप्त करता है ए कंटेंट को आसानी से अपडेट और संशोधित किया जा सकता है ई कंटेंट को विकलांग छात्रों सहित व्यापक दर्शकों के लिए सुलभ बनाया जा सकता है और इसका कई भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है जिससे चिकित्सा शिक्षा अधिक समावेशी हो जाती है ई कंटेंट पारंपरिक कक्षा आधारित निर्देश की तुलना में अधिक पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ विकल्प है क्योंकि यह आवश्यकता को समाप्त करता है डॉ अस्थाना ने चिकित्सा शिक्षा पर ई कंटेंट के विस्तृत अनुप्रयोग को अपनी चर्चा में प्रदर्शित किया और इस पर काफी विस्तृत चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सहसंयोजक द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में भारत के 24 राज्यों से 173 संकाय सदस्य शोध छात्र एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

राज्य विश्वविद्यालय में शिक्षक भर्ती के आवेदन की बढ़ी तिथि

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में 17 मई तक आनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसे बढ़ाकर 31 मई कर दिया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 21 विभागों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। 21 विभागों में करीब 60 रिक्त पद हैं। आवेदन पत्र भरकर प्रिंट लेते हुए इसे विश्वविद्यालय में भेजने की आखिरी तारीख चार जून निर्धारित की गई है।

बेटी के खाते में जाएंगे 60 हजार, 15 हजार का होगा भोजन

प्रयागराज। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये दिया जाएगा। इस एक लाख रुपये में 60 हजार रुपये बेटी के खाते में जाएगा, जबकि 25 हजार रुपये की सामग्री दी जाएगी और 15 हजार रुपये प्रति जोड़ा भोजन पर खर्च होगा। इसके पूर्व यह राशि 51 हजार थी, जिसमें 35 हजार रुपये बेटी के खाते में जाता था, 10 हजार रुपये की सामग्री और छह हजार रुपये प्रति जोड़ा भोजन पर खर्च होता था। अफसरों का कहना है कि इस बार का लक्ष्य आ गया है। जिसके बाद यहां पर सामूहिक विवाह योजना के लिए आवेदन मांगा जाएगा और शादियां कराई जाएंगी।

आय प्रमाणपत्र न होने के कारण आवेदक अपात्र

प्रयागराज। जिले के गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ केवल इसलिए नहीं मिल पा रहा है क्योंकि उनके पास आय प्रमाणपत्र नहीं है। जीरो पावर्टी योजना के तहत जब आए आवेदनों का सत्यापन शुरू हुआ तो इसकी जानकारी हुई। विभागों ने जब सीडीओ को इसके बारे में बताया तो उन्होंने तत्काल प्रभाव से सभी एसडीएम को पत्र भेजकर पात्रों का आय प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कहा। इस वक्त प्रदेश सरकार ने जीरो पावर्टी योजना के तहत तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद जिले में अलग–अलग विभागों का सत्यापन चल रहा है। प्रधानमंत्री आवास के लिए कुल 25015 आवेदन आए थे, जिसमें से 12308 लोग पात्र पाए गए। इसमें से 700 लोग ऐसे मिले जो पात्र थे, लेकिन उनके पास आय प्रमाणपत्र नहीं थे। वहीं वृद्धावस्था पेशन के लिए कुल 3170 आवेदन आए, जिसमें से 2200 अपात्र मिले जिनकी आयु 60 साल से कम थी। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रज्ञा पांडेय ने बताया कि 154 लोग ऐसे मिले जो योजना के लिए पूरी तरह से पात्र थे, लेकिन इनके पास आय प्रमाणपत्र नहीं था। ऐसे ही किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं में आय प्रमाणपत्र तमाम आवेदकों की राह में रोड़ा रहा। इसके बाद सीडीओ हर्षिका सिंह के सामने इन लोगों की फाइल गई।

लोकपाल के समक्ष चकवनतोड़ ग्राम से आई शिकायत फर्जी निकली

-लोकपाल ने बीडीओ को ग्राम चौपाल लगाने का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा को पंजीकृत डाक से सदर तहसील के ग्राम पंचायत चकवन तोड़ से एक शिकायत प्राप्त हुई। लोकपाल समाज शेखर ने पत्र को संज्ञान में लेकर कार्यवाही शुरू की तो पता चला की सुरेश कुमार ओझा के नाम से आया

यह पत्र फर्जी है। क्योकि इस नाम के वास्तविक व्यक्ति का नाम सुरेश चंद्र ओझा है। लोकपाल ने प्रधान शिव बहादुर यादव व सुरेश चंद्र से उनका पक्ष सुनकर संवाद किया। शिकायती पत्र फर्जी होने के बावजूद लोकपाल ने खंड विकास अधिकारी को ग्राम पंचायत में चौपाल लगा कर जन सामान्य की समस्याओ को सुनने व कल्याण कारी योजनाओ के बारे में जन जागरूकता पैदा करने का निर्देश दिया। लोकपाल समाज शेखर ने आज जन सुनवाई में प्रधान व सचिव से ग्राम में चल रही योजनाओ की प्रगति की जानकारी लेते हुए निष्ठा व ईमानदारी से अपना कार्य करने की नसीहत दी। साथ ही खंड विकास अधिकारी को ग्राम में चौपाल लगाने का निर्देश देते हुए आयोजन की तिथि से लोकपाल कार्यालय को भी अवगत कराने को कहा जिससे वह भी प्रतिभाग कर सकें। इस अवसर पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी विनोद सिंह व ब्लाक तकनीकी सहायक हरिकेश मौर्य शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल ट्रस्ट की बैठक का आयोजन

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल ट्रस्ट मुजफ्फरनगर की एक बैठक आर्शीवाद बैंक्विट हॉल में गत रात्रि आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक कंसल व संचालन ट्रस्ट के महामंत्री श्री श्याम सिंह सैनी जी द्वारा किया गया। बैठक में भवन निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर

चर्चा की गई तथा शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया ५ भवन में भारत माता, भामाशाह जी, लाला विशंभर दयाल अग्रवाल एवं श्याम बिहारी मिश्रा जी की मूर्तियां लगवाने पर विचार किया गया ५ बैठक में सभी ट्रस्टीस द्वारा प्रतिभाग किया गया ५ मुख्य रूप से ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री दिनेश बंसल, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री संजय मित्तल, ट्रस्ट के ऑडिटर अजय गुप्ता जी, ट्रस्ट के मंत्री श्री प्रवीण खेड़ा, ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी श्री हिमांशु कौशिक, अजय कुमार सिंघल, अनिल तायल, रित्विक मोहन अग्रवाल, धर्मपाल कपूर, शोभित गुप्ता, अभिजीत सिंह गंभीर सहित सभी ट्रस्टी उपस्थित रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को दिया गया ज्ञापन

मुजफ्फरनगर सशिवसेना शिंदे के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने खेती दूधाधारी गांव निवासी राज सिंह के पुत्र देवांश का तिलक मिटाने व उसकी शिखा काटने के मामले को लेकर मंडल प्रमुख शरद कपूर व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम चौधरी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर जमकर प्रदर्शन किया, तथा आरोपी प्रधानाचार्य फराना खातून के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया, इस अवसर पर शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य फराना खातून द्वारा बच्चे देवांश का तिलक मिटाना वह उसकी शिखा काटने का कृत्य धार्मिक उन्माद फैलाने वाला

है उक्त प्रधानाचार्य ने अपनी कट्टर मानसिकता के चलते बच्चों के साथ इस तरह की घिनौनी घटना को अंजाम दिया है इससे यह भी साबित होता है कि उक्त प्रधानाचार्य विद्यालय में सांप्रदायिक विद्वेष की भावना के तहत कार्य कर रही है उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट से तत्काल इस मामले में आरोपी प्रधानाचार्य वह पीड़ित परिजनों पर फैसले का दबाव बनाने वाले सफेद पोस्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, नगर मजिस्ट्रेट महोदय ने दो दिनों के भीतर इस मामले में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया इस अवसर पर मंडल प्रमुख शरद कपूर जिला प्रमुख आनंद प्रकाश गोयल महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम चौधरी जिला प्रमुख मंगतराम सोनकर संजीव वर्मा अमित गुप्ता उज्ज्वल पंडित आशीष मिश्रा युवा जिला प्रमुख हेमंत शर्मा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पूनम चाहल ललित रोहिल्ला मीनू शर्मा अनोखी दुबे शैलेंद्र विश्वकर्मा हर्षित धीमान रोहित धीमन रितिक रितिक अभिषेक शर्मा हेमकुमार कश्यप, निकुंज चौहान शिवम पाल, राहुल धीमान,अक्षय राजपूत, सहित सेकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ड्राइवर को तालिबानी सजा सुनाने वाले विशु तायल पर हो सख्त कार्यवाही: मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने बयान जारी कर कहा हे कि श्री राम ट्रांसपोर्ट के मालिक विशु तायल द्वारा एक पिछड़े वर्ग के ट्रक ड्राइवर मनोज को जो बंधक बनाकर पीटा गया और उसके बाद

ओर अधिक दबंगई दिखाते हुए तालिबानी तरीके से सजा सुनाई जिसमें ड्राइवर को पीटने के बाद खुद को भी मनोज से पचास थप्पड़ लगवाए जिसकी वीडियो भी दबंगों द्वारा वायरल की गई जिससे पिछड़े समाज में रोष हे वहीं ट्रक ड्राइवर मनोज द्वारा उन्हें बताया गया हे कि इस मामले में पुलिस ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की ओर झूठा प्रोपगंडा चलाया जा रहा हे कि विशु तायल से उसका फैसला हो गया जबकि वह कार्यवाही चाहता हे ओर उसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने कहा हे कि भाजपा सरकार ने अनेकों बाहुबलियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया हे तो फिर मुजफ्फरनगर में ऐसे बाहुबली किन लोगों के संग्रक्षण में पैदा हो रहे हे ओर ऐसे लोगों को किन राजनीतिक लोगों का संग्रक्षण प्राप्त हे पिछड़ों पर अत्याचार बर्दास्त नहीं किया जायेगा उन्होंने चेतावनी दी हे कि अगर विशु तायल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके सख्त कार्यवाही नहीं की गई तो पिछड़े वर्ग का बड़ा आंदोलन होगा।

पुलिस द्वरा निर्दोषों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगे: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

भोपा थाने में राष्ट्रीय सामाजिक संस्था ने भाकियू अराजनीतिक के धरने को दिया समर्थन, सिपाही को मांगनी पड़ी माफी

मुजफ्फरनगर। कोल्हू पर मजदूरी करने वाले एक निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ झूठी शिकायत पर कार्यवाही करने और संगठन के पदाधिकारियों के साथ अभद्रता करने के साथ ही उसके खिलाफ भी झूठी कार्यवाही करने को लेकर भोपा थाने में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक का धरना मंगलवार को समाप्त हो गया। इस आंदोलन को राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी और सहरावत खाप के मुखिया संजीव सहरावत ने भी समर्थन दिया। इस प्रकरण में सीओ और एसएचओ ने आरोपी सिपाही के व्यवहार के प्रति खेद जताया और चालानी कार्यवाही को वापस लिये जाने के बाद धरना समाप्त कर दिया गया।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों को बताया कि पुलिस द्वारा निर्दोष लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। ऐसे ही एक निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ भोपा पुलिस ने कार्यवाही की थी, इसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक ने आवाज उठाई और धरना दिया था। इसी में अब मामला निपटाया गया है। सीओ और एसएचओ ने पुलिस कर्मियों द्वारा की गई गलती पर खेद जताया है और निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ की गई कार्यवाही को पुलिस ने शिथिल किया है। हमने भी आज अपने संगठन की ओर से पीड़ितों की इस लड़ाई में यूनियन का समर्थन व्यक्त किया है। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हमारा यह प्रयास और सहयोग लगातार जारी रहेगा।

सहरावत खाप के प्रदेश अध्यक्ष संजीव सहरावत ने बताया कि कार्यकर्ताओं के साथ भोपा थाने पर तैनात एक सिपाही ने अभद्रता की गई, इसी के विरोध में संगठन ने भोपा थाने में धरना शुरू किया था। आज एसएचओ और सीओ के प्रयास से यह मामला निपटा है। सिपाही ने अपनी गलती को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करते हुए माफी मांगी और हमने भी उसको माफ कर दिया है। हमारा यही कहना है कि पुलिस कर्मी जनता के साथ सभ्य व्यवहार करें।

भाकियू अराजनीतिक के नेता अंकित जावला ने कहा कि संगठन के पदाधिकारियों और सम्मानित लोगों के साथ भोपा थाने के एक सिपाही ने गंभीर अभद्रता की गई थी। रूड़कली गांव में कोल्हू पर विद्युत तार गिरने से पत्ती में आग लगी थी। कोल्हू मालिक ने वहां मजदूरी कर रहे गोपी के खिलाफ तहरीर दी, पुलिस ने उसको उठा लिया था, यूनियन के कार्यकर्ता रिहान ने थाने आकर गोपी के पक्ष में सच्चाई बताई तो सिपाही ने उसके साथ अभद्रता की और उसको भी बैठा लिया तथा 151 में चालान कर दिया। इसी के विरोध में आंदोलन करना पड़ा। आज पुलिस ने अपनी कार्यवाही को वापस लिया और सिपाही ने खेद जताया। मामला निपट गया है। सभी के सहयोग के लिए आभार जताया गया। इस दौरान प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी, अंकित जवाला, संजीव सहरावत, मंडल महासचिव विपिन त्यागी, शहजाद राव, राजू शेरावत दुष्यंत, रियाज, बाबर प्रधान इरशाद इंतजार सुधीर शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

10 दिन की रंग पाठशाला का शुभारंभ

प्रयागराज स भारतेंदु नाटय अकादमी वा सीएमपी डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में प्यारेलाल सभागार में रामलीला वा वाचिक अभिनय पर 10 दिन की रंग पाठशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का संयोजन डॉ प्रेम शंकर सिंह द्वारा और युवा रंगकर्मी राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रशिक्षण किया जा रहा है।

कार्यशाला की आरंभ में सी एमपी डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डा.प्रेम शंकर सिंह जी ने आधार वक्तव्य रखते हुए बताया हमें ग्रीष्मकालीन अवकाश को अपने प्रतिदिन के कार्यक्रम से इतर कुछ सीखने के लिए प्रयोग करना चाहिए।उसके बाद महाविद्यालय की प्रोफेसर आभा जी ने प्रशिक्षक का स्वागत करते हुए कहा रंगमंच एक ऐसी कला है जो सभी कलाओं को समाहित करते हुए आगे ले जाती है। उम्मीद है सीएमपी डिग्री कॉलेज के छात्र इस कार्यशाला से बहुत कुछ सीखेंगे।

हिंदी विभाग की संयोजिका प्रो सरोज सिंह कहा कि सीएमपी डिग्री कॉलेज अपने पाठ्यक्रम में हमेशा रचनात्मक कार्यों को

प्रोत्साहन देते रहा है। इस श्रृंखला में हम यह रंग पाठशाला शुरु कर रहे हैं। छात्रों को इसी गंभीरता से सीखना चाहिए। कार्यक्रम के प्रशिक्षक ने कहा कि हम 10 दिन में नाटक तो नहीं सीख सकते हैं। हां नाटक में अभिरुचि अवश्य पैदा कर सकते हैं

इन 10 दिनों में वाचिक अभिनय के भेद, नाट्यशास्त्र के बारे में संक्षिप्त परिचय,व रामलीला के विभिन्न शैलियों के बारे में बात करते हुए उसके कुछ प्रयोगात्मक रचनात्मक व व्यावहारिक अनुभव भी करने का प्रयास किया जाएगा। रंगमंच के लिए शरीर और आवाज़ का बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है जिसे हमें सुधारने का जरूरी कार्य करेंगे।इन 10 दिनों में हम आवाज को सुधारने और टेक्स्ट की समीक्षा करने पर अधिक बल देंगे। सभी अतिथियों का डॉ पूजा गौड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में डॉ रंजीत सिंह, डॉ अमित सिंह राणा राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित कुल १५ प्रतिभागियों ने पहले दिन अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई और व्यवहारिक वा अकादमिक सीख के प्रति सहमति दर्ज़ कराई।

जेष्ठ मास के द्वितीय मंगलवार को भयहरण नाथ धाम हुई भारी भीड़

पुलिस व प्रबन्ध समिति की उत्तम व्यवस्था

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में जेष्ठ मास के द्वितीय मंगलवार को भयहरण नाथ धाम भारी भीड़ हुई। वहीं कार्यकर्ता व पुलिस की उत्तम व्यवस्था रही। मेला व मन्दिर परिसर में साफ सफाई के साथ प्रमुख स्थलों पर पुलिस की सुव्यवस्था हुई है। प्रत्येक मंगलवार को होने वाले इस परम्परागत मेले में ज्येष्ठ मास में विशेष रूप से ध्वज पताका चढ़ाने हेतु बढ़ चढ़ कर सामूहिक भागीदारी हो रही है। यह जानकारी देते हुए धाम की प्रबन्ध समिति के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया की सुबह ५ बजे मुख्य पुजारी भोला नाथ की देखरेख में भगवान भोले नाथ का पूजन कर कपाट

खोल दिया। सुबह 7 बजे से ही पुलिस चौकी प्रभारी राजीव वर्मा के संयोजन में सभी प्रमुख स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई जो देर शाम तक चलती रही। महासचिव के मार्गदर्शन में कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज ने प्रमुख कार्यकर्ता व कर्मचारियों के साथ कंट्रोल रूम से सभी का सहयोग किया। नगर पंचायत के स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम सहित छेदी लाल, तेज प्रताप सिंह, रामु तिवारी, अवधेश मिश्र, धनपतिया देवी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

नगरपालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप व बीजेपी नेता गौरव स्वरूप ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व मंत्री कपिलदेव अग्रवाल से की भेंट

मुजफ्फरनगर। लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल के आवास पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से मुजफ्फरनगर नगरपालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप व बीजेपी वरिष्ठ नेता उद्योगपति समाजसेवी गौरव स्वरूप ने भेंट की, बैठक में चर्चा के दौरान प्रदेश में संगठन की नीतियों, युवाओं के सशक्तिकरण और विकास योजनाओं को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ। नगरपालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप व बीजेपी नेता गौरव स्वरूप ने बताया कि बैठक में इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित रहे, जिनका मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक रहता है। भविष्य में समाज और राष्ट्र के विकास हेतु ऐसे संवाद और सहयोग से नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होने का विश्वास है।

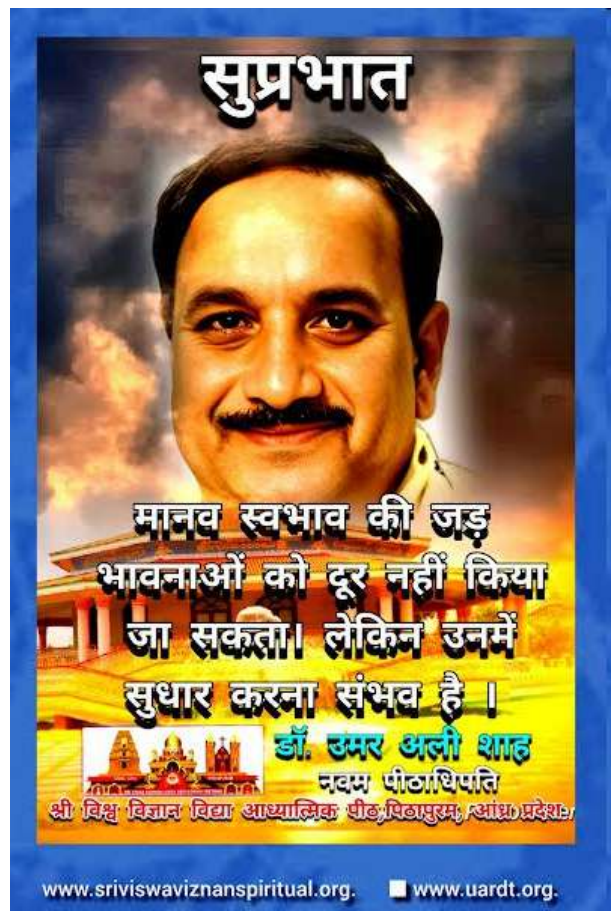

गर्मी की हैं छुट्टियाँ

(कुण्डलिया)

सूरज की है यह तपिश, या फिर जाने राम
उजली–उजली धूप है, गोरी लगती श्याम।
गोरी लगती श्याम, चले वह छतरी ताने।
किरणें करें दुलार, सुने न कोई बहाने।
मौसम देख प्रदीप, कहें मत निकलो सजधज।
जाना हो अनिवार्य,शाम ढल जाए सूरज।

गर्मी की हैं छुट्टियाँ, विद्यालय है बन्द।
बच्चों की आवाज़ भी, होने लगीं बुलन्द।
होने लगी बुलन्द,घूमने हम जाएँगे।
फ्रूटक्रीम के बाद ,आम, लीची खाएँगे।
सुन लो कहें प्रदीप, चलो अब बरतो नर्मी।
शिमला बच्चों साथ, गुजारो सुखमय गर्मी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मरीजों को दिया गया परामर्श

मुजफ्फरनगर। आज जनपद के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया मुख्य के द्वारा जिला चिकित्सालय में मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श कर उन्हें चिकित्साकीय उपचार प्रदान किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा

हड्डी रोग विशेषज्ञ विभाग के कमरा नंबर– 9 में ओपीडी की गई, जहां पर उनके द्वारा दर्जनों महिलाओं व पुरुषों को हड्डी रोग से संबंधित बीमारियों के संबंध में स्वास्थ्य परामर्श व उपचार दिया गया।

बिल्लियों की सेवा कयामत के दिन हमारी नेकियों का पैमाना बन जाती है: नौशाद मलिक

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। रॉयल हेल्प लाइफ संस्था के चेयरमैन व प्रमुख समाजसेवी नौशाद मलिक को बिल्लियों से गहरा लगाव है। नौशाद मलिक ने बताया कि इस्लामी परम्परा में बिल्लियों का एक महत्वपूर्ण स्थान है और मुस्लिम समाज में बिल्लियां पालतू जानवरों के रूप में बहुत लोकप्रिय है। बताया कि

बिल्लियों को हलाल जानवरों के रूप में नही माना जाता है। पैगंबर मुहम्मद – सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बिल्लियों को प्यार से पाला और उनसे प्यार किया। बताया कि पैगंबर मुहम्मद – सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम बिल्लियों के प्रति दयालु थे और उनके समय में बिल्लियों को मारने वालों को सजा का प्रावधान था। बताया कि मुस्लिम समाज में बिल्लियों को आर्शीवाद के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। उनको धार्मिक रूप से शुद्ध माना जाता है और उन्हें घरों व मस्जिदों में भी स्वतंत्र रूप से प्रवेश करने की अनुमति होती है। नौशाद मलिक ने कहा कि हमें बिल्लियों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए, उन्हें चोट नहीं पहुँचानी चाहिए, उन्हें प्रताड़ित नही करना चाहिए और उन्हें अनदेखा नही करना चाहिए। कहा कि हमें बिल्लियों को जीवित प्राणियों के रूप में उनके अधिकार देने चाहिए। बताया कि बिल्लियों की दिल से की गयी सेवा आखिर में कयामत के दिन हमारी नेकियों का पैमाना बन जाती है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 2120252026 दिनांकः 16.05.2025

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई - निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 09.06.2025 तक आंमत्रित की जाती हैं। कार्यो का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा सं.: 69	जेम बिड संः GEM/2025/B/6239191 Dated 16.05.2025
कार्य का विवरणः सहायक मंडल अभियंता/लाइन/प्रयागराज के क्षेत्र में 02 वर्षों के लिए प्रत्येक एस0एस0 ई0/पी0-वे (इंचार्ज) तथा यू0एस0एफ0डी0 टीमों के लिए 01 टन क्षमता के 05 आपातकालीन रोड यूटिलिटी वाहनों को किराये पर लिए जाने का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू)ः ₹ 46,26,120.00	अग्रिम धनराशि मूल्य (रू)ः ₹ 92,530.00
कार्य समापन की अवधिः 24 माह	निविदा खुलने की तिथिः 09.06.2025
पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : निल	

नोटः- (1) आनलाइन निविदा खुलने की तिथि 09.06.2025 तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर दिनांक 09.06.2025 तक उपलब्ध हैं। 860/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

फुटपाथ का साथ

सड़क पर तेज रफ्तार दौड़ती कारों और अतिक्रमण की भेंट चढ़े फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का चलना अब दुश्वार हो चला है। यही वजह है कि बुजुर्ग लोग सड़कों पर आने से डरते हैं और घरों तक सिमटकर रह जाते हैं। वे फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा–निर्देशों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा। दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग,बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। वे भीड़भाड़ में हादसों का शिकार हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं है,यह जीवन का अधिकार है। ये उन करोड़ों भारतीयों के लिए एक उम्मीद है जो जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते हैं। अब हर कदम पर सुरक्षित और जीवन की अहमियत होनी चाहिए। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में अस्सी फीसदी पैदल मार्गों पर रेहड़ी–पटरी वालों, दुकानदारों व गाड़ी वालों ने कब्जा कर रखा है। इस वर्ष हर माह करीब 48 पदयात्री सड़क दुर्घटना में मारे गए। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया। जिसे केंद्र व राज्य सरकारों को पैदल यात्रियों के लिये इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन के लिए सिर्फ छह माह का समय दिया है।

आ रहे हैं घर सभी जद में

पलाश सुरजन

दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा।

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान–पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान–पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा–खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ। मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों–कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर जोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में एक्स्क्यूज मी कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने–पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक–दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाजार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाजार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज्जा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है। ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र–कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें। इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा। इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। इस महीने की शुरुआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि श्वे बंगाल से थे। गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज जताया था। प. बंगाल के निवासियों की पीड़ा यह भी है कि दूसरे प्रांतों के लोग वहां आकर उनकी संस्कृति और परंपराओं को नष्ट–भ्रष्ट कर रहे हैं। इस प्रदेश में दुर्गा पूजा ही प्रमुख त्योहार रही है, लेकिन बीते एक दशक से रामनवमी का जोर बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। द हिन्दू की एक खबर के अनुसार, शिक्षाविदों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने राज्य में हिन्दू त्योहारों को हथियार बनाने पर सवाल उठाये हैं और चिंता जताई है। पश्चिम बंगाल में संघर्ष और सह–अस्तित्व के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन–आमरा एक सचेतन प्रयास ने 2016 से 2023 की अवधि में प्रदेश में रामनवमी के दौरान पनपे सांप्रदायिक तनाव पर एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें आसनसोल–रानीगंज, हावड़ा और रिशरा में परस्पर टकराव की कई घटनाओं का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि तृणमूल कांग्रेस ऐसे जुलूस आयोजित करने या उन्हें सहायता देने और में भाजपा और उसके हिन्दूवादी सहयोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।

विवाह भव्य : रिश्ते जर्जर ' : ' पारिवारिक विघटन '

डॉ. संगीता बनाफर
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

आजकल पारिवारिक रिश्तों में, विशेषकर दांपत्य संबंधों में कटुता, अलगाव और अविश्वास बढ़ता जा रहा है तथा अवसाद का रूप ले रहा है । यह स्थिति न केवल पति–पत्नी के बीच बल्कि बच्चों का नैतिक पतन भी अवसाद की वज़ह बन रही हैं। होती है।

यदि दांपत्य संबंध मधुर न हों और दोनों एक दूसरे के परिवार के प्रति आत्मीयता न रखें, एक दूसरे की आलोचना करें तो साथ रहना मुश्किल हो जाएगा और अटूट रिश्ते क्षणभंगुर हो जाएंगे,जैसा कि आजकल में विवाह पूर्व फोटोशूट आदि के नकारात्मक परिणाम स्वतः सामने आ रहे हैं। वैवाहिक परंपराएं, रीति–रिवाज और सप्त वचन औपचारिकताएं बनती जा रही हैं, जबकि वीडियोग्राफी आदि में अधिक समय दिया जा रहा है।

हम सभी जानते हैं कि अपनत्व, स्नेह, प्रेम और सुख–सुविधाओं का समन्वय परिवार को स्वर्ग बना देता है। दांपत्य जीवन यथार्थ की धरती पर कर्तव्य और उत्तरदायित्व का मिला/जुला रूप है, जो निश्चित रूप से स्त्री और पुरुष के परस्पर स्नेह, आत्मीयता, त्याग, बलिदान और जीवन की कठोर वास्तविकताओं को भी सरस एवं स्वर्गीय बना देता है। इस सम्मिलित प्रयास से ही परिवार के सदस्यों और बच्चों में सकारात्मकता आती है। उनमें नई उमंग और प्रेरणा जागती है तथा संरक्षण की भावना विकसित हो भी रहा है।

सफल जीवन के लिए संवेदनशील भावनाएं और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। विवाहों में जो कर्मकांड, आदर्श और संस्कार डाले जाते हैं, उनका उद्देश्य भावनात्मक रूप से पति–पत्नी को एक सूत्र में बांधना होता है। जिन घरों में इन आदर्शों का पालन होता है, उन घरों में स्वर्ग जैसी अनुभूति होती है।

विडंबना यह है कि आज परिस्थितियाँ विपरीत होती जा रही हैं। विवाह जितने भव्य होते जा रहे हैं, रिश्ते उतने ही जर्जर हो रहे हैं। आधुनिक जीवनशैली

पहले विवाह के समय जो पूजा, आस्था और भावनाएं जुड़ी हुई थीं, वे अब कम होती जा रही हैं।

जीवन में पग–पग पर संबंधों के कांटे बिछे हैं, हर क्षण तनाव के साधन विद्यमान हैं। आर्थिक कारण और बढ़ती आवश्यकताएं ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करती हैं जिन्हें एक अकेला मनुष्य झेल नहीं पाता। उसे किसी सहयोगी, अंतरंग हितैषी की आवश्यकता महसूस होती है, जिसके कारण स्त्री–पुरुष विवाह जैसे गहरे संबंध बनाते हैं।

दुर्भाग्यवश, इन रास्तों पर चलते हुए परिवार का विघटन, संबंध विच्छेद और यहां तक कि आत्म– हत्या जैसी स्थितियां निर्मित हो रही हैं।सच्चाई यह है कि यह स्नेह और यह विश्वास जितनी खूबसूरती से पत्नी या पति निभा सकते हैं, कोई अन्य नहीं पर यह तभी संभव है ,जब दोनों हृदय प्रेम, परोपकार और एक दूसरे के लिए समर्पण की भावना से ओतप्रोत हों। दमित इच्छाएं आक्रोश के रूप में न पनपें, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम विवाह योग्य अपने बच्चों को समझाएं कि दांपत्य संबंध में बंधने के बाद एक दूसरे का सम्मान करना अति आवश्यक है।

जिंदगी तीन घंटे की फिल्म या टीवी सीरियल नहीं है, जिसमें पात्रों को देखकर हम कल्पनाओं में उतार लेते हैं ,यह एक अटूट संबंध है जिसमें एक दूसरे के परिवार को महत्व देना होता है।

साथ ही, यह भी कहना है कि जैसा उदाहरण हम प्रस्तुत करेंगे, वैसा ही बच्चे सीखेंगे। अतः पारिवारिक एकता, बड़ों के प्रति आदर भाव, उनसे सलाह लेना और सबसे आवश्यक है परिवार को समय देना। पश्चात संस्कृति जैसी न यहां संस्कृति है, न परिपाटी। ऐसी दशा में पश्चिमी रंगीली जीवनशैली के अनुकरण की संभावना पर विचार करना होगा।

आज संयुक्त परिवारों का चलन घटता जा रहा है या यूं कहें कि सामंजस्य स्थापित करने की गुंजाइश लोग रखना नहीं चाहते। फलस्वरूप स्वच्छंदता बढ़ रही है। लड़कियों में शिक्षा के साथ–साथ महत्वाकांक्षाएं बढ़ रही हैं, वहीं वैचारिक स्वतंत्रता कई बार दिशाहीन भी कर रही है। इसकी दुखद वास्तविकता के लिए शिक्षा को दोष नहीं दिया जा सकता। अपितु, जहां एक ओर उन्हें अपने दायित्वों के निर्वाह की समझाइश, वहीं दूसरी ओर बड़ों को भी उनकी शिक्षा के अनुरूप परिवार और ऑफिस या व्यवसाय में सामंजस्य बिठाने में उन्हें समझना होगा। याद रखिए, हमारी जीवन शैली और उनकी जीवन शैली में थोड़ा फर्क है। हमारी थोड़ी सी गलती हमारे ही बच्चों के रिश्ते में दरार का कारण बन सकती है। हमें उन्हें सम्मान देना होगा। आज नारियाँ बहू और माँ की दोहरी भूमिका निभाती हैं तो पर्दा प्रथा या घर में बहुत ज्यादा काम करने जैसी अपेक्षाएं हम न करें।

विवाह दांपत्य जीवन का मूलभूत आधार है और हमें समय रहते संभलने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में घृणा, अलगाव, झूठ और धोखे जैसी दुर्भावनाएं न पनपें, बल्कि नम्रता, सहिष्णुता, क्षमता और उदारता से भरा जीवन हो सके। इसके साथ ही, बच्चों में नैतिकता का विकास हो क्योंकि यदि परिवार सुदृढ़, सुसंस्कृत और संस्कारवान होगा, इसलिए हमें भी स्वयं के लिए जागरूक होने की आवश्यकता है।तभी हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकेंगे और समाज से राष्ट्र का निर्माण होगा। हम याद रखें, राष्ट्र की प्रथम बुनियाद परिवार ही है और परिवार का आधार दांपत्य संबंधों में आत्मीयता और विश्वास।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए। देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ–साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग–अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी–मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो हो रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की और लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की। लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने बता दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना को भी नहीं बख्शा जा रहा है। विजय शाह का मामला तो अदालत में है, लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन्हें बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय में शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस्ट में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिया ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा था कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो यह श्पाखंडश होगा। इस पोस्ट को हरियाणा के महिला आयोग ने भारतीय सेना में महिलाओं का अपमान माना और यह कहा कि इससे सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ेगा। आयोग ने महमूदाबाद को दिए नोटिस में उनकी इस टिप्पणी को सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश बताया था। अब हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह सोचने वाली बात है कि एक फेसबुक पोस्ट पर शिक्षक को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग ऐसी कार्रवाइयों से क्यों बचे हुए हैं। इधर पाकिस्तान से बढ़ रहे तनाव के बीच एक सनसनीखेज खबर आई कि हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि ज्योति पाकिस्तानी उच्चायोग के किसी कर्मी से संपर्क में थी और यह भी कि वह दो साल पहले पाकिस्तान गई थी। इस मामले की गहन और ईमानदार जांच होनी चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया पर ज्योति के खिलाफ बयानों की भरमार हो गई है और मीडिया ने भी ज्योति के पुराने पोस्ट, ट्रैवल ब्लॉग आदि दिखाकर अपना ट्रायल शुरु कर दिया है। ऐसा ही रिया चक्रवर्ती के साथ किया गया था। खैर, ज्योति पर जासूसी का आरोप लगा है तो साथ ही उन तथ्यों की भी पड़ताल होनी चाहिए कि आखिर किसके दम पर जासूसी हो रही थी। सेना, विदेश मंत्रालय, गृहमंत्रालय, रक्षा मंत्रालय ऐसे ही महकमों में से कहीं कोई दरार बनी हुई होगी, तभी तो जासूसी का मौका बना। सत्ता प्रतिष्ठान में कौन लोग हैं जो इस किस्म की गद्दारी कर रहे हैं। पांच साल पहले पुलवामा के बाद डीसीपी देविंदर सिंह का नाम भी इसी तरह सामने आया था, फिर क्या कार्रवाई हुई, किस तरह जांच आगे बढ़ी, कुछ पता नहीं। सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले के बाद अब जो चौकसी दिखाई जा रही है, क्या वह आगे इसी तरह कायम रहेगी, क्योंकि जासूस केवल आतंकी हमलों के वक्त नहीं बल्कि उसके पहले और बाद में भी सक्रिय रहते हैं।

फिर लौट आया कोविद का कहर, ये एक्ट्रेस हुई शिकार, सोशल मीडिया पर जाहिर किया दर्द

> रियलिटी शो 'बिग बॉस १८' से दोबारा सुर्खियों में आईं शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि वे कोविड पॉजिटिव हो गई हैं सोमवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने फैंस को इनफॉर्म किया और सभी से सुरक्षित रहने और मास्क पहनने की रिक्वेस्ट की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, नमस्ते दोस्तों! मैं कोविड पॉजिटिव पाई गई हूं। सुरक्षित रहें और मास्क पहनें!

90 के दशक की जानी–मानी एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर इन दिनों फिर से चर्चा में हैं लेकिन इस बार वजह थोड़ी चिंताजनक है। रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' से दोबारा सुर्खियों में आईं शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि वे कोविड पॉजिटिव हो गई हैं सोमवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने फैंस को इनफॉर्म किया और सभी से सुरक्षित रहने और मास्क पहनने की रिक्वेस्ट की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, नमस्ते दोस्तों! मैं कोविड पॉजिटिव पाई गई हूं। सुरक्षित रहें और मास्क पहनें! एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर उनके दोस्तों और उनके चाहने वालों ने उनकी स्पीडी रिकवरी की कामना की। एक्ट्रेस के कोविड पॉजिटिव होने की खबर फैलते ही सोशल मीडिया पर उनके फैंस और इंडस्ट्री के लोग उनकी जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने भी शिल्पा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, हे भगवान!!! अपना ख्याल रखना शिल्पा... जल्द स्वस्थ हो जाओ। यह देखकर साफ है कि शिल्पा को इंडस्ट्री में अब भी बहुत प्यार और सम्मान मिलता है। शिल्पा शिरोडकर ने लंबे समय तक फिल्मों से दूरी बनाए रखी थी, लेकिन उन्होंने शबिग बॉस 18य के जरिए टीवी पर दोबारा वापसी की थी। शो में उनके व्यक्तित्व और व्यवहार को काफी पसंद किया गया, जिसके बाद से उनकी फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा हुआ। अब वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनका यह पोस्ट भी इसी जुड़ाव की मिसाल है। शिल्पा शिरोडकर का नाम 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार होता है। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है और अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है।इन फिल्मों में शिल्पा की अदाकारी को खूब सराहा गया और आज भी उन्हें इन किरदारों के लिए याद किया जाता है। शिल्पा शिरोडकर का कोविड पॉजिटिव होना उनके फैंस के लिए चिंता की बात जरूर है, लेकिन साथ ही उनकी सकारात्मक सोच और फैंस से जुड़ाव भी प्रेरणादायक है। फैंस उनकी जल्द रिकवरी की दुआ कर रहे हैं और उम्मीद है कि वे जल्द ही ठीक होकर फिर से सभी के बीच लौटेंगी।

त्रिषा कृष्णन संग कमल हासन के इंटीमेट सीन पर मचा बवाल, 70 की उम्र के एक्टर को इस अंदाज में देख भड़के लोग

हिंदी और साउथ फिल्मों के जाने माने एक्टर कमल हासन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्ठग लाइफच्य को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। जहां इस ट्रेलर को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है, वहीं इसमें एक्टर के किसिंग और इंटीमेट सीन को लेकर यूजर्स उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। 70 की उम्र में कमल हासन के इस तरह के सीन को देखकर दर्शकों की अलग–अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। श्ठग लाइफच्य के ट्रेलर में देखा जा सकता है कि 70 साल के कमल हासन एक्ट्रेस त्रिषा कृष्णन संग रोमांटिक होते नजर आ रहे हैं। हालांकि, अधिकांश लोगों को ये सीन नहीं पसंद आया और लोग इस सीन पर तरह–तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमल हासन और त्रिषा के इन सीन का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, श्नहीं भगवान नहींच्य। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, श्त्रिशा श्रुति हासन से सिर्फ 3 साल बड़ी हैं।च्य वहीं कुछ यूजर ने कहा कि दोनों के बीच 30 साल का अंतर है। वहीं एक यूजर ने मणिरत्नम पर सवाल उठाते हुए कहा कि वो अपनी लीगेसी की बर्बाद कर रहे हैं। बता दें, श्ठग लाइफच्य का निर्देशन मणिरत्नम ने किया है। फिल्म में कमल हासन और सिलंबरासन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में कमल हासन को एक गैंगस्टर दिखाया गया है। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में फटी ड्रेस पहनकर पहुंचीं उर्वशी रौतेला, यूजर्स ने उड़ाई फैशन की धज्जियां

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में शिरकत को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। कान्स के पहले दिन उर्वशी हाथ में लाखों का तोता लेकर रेड कार्पेट पर उतरी थीं। हालांकि, वह अपने लुक से फैंस का दिल नहीं जीत पाई थी। वहीं, हाल ही में उर्वशी ने दोबारा कान्स के रेड कार्पेट पर एंट्री मारी और फिर से अपने लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हालांकि, ये चर्चा उनकी तारीफ में नहीं, बल्कि उन्हें ट्रोल करते हुए हो रही है। कान्स के रेड कार्पेट पर उर्वशी रौतेला के एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि इस बार एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस पहन रेड कार्पेट पर उतरी। इस दौरान जब वो कैमरों के सामने पोज दे रही थीं, तब उनकी ड्रेस की बाजू के नीचे यानी आर्मपिट के पास एक छेद साफ नजर आया। पहले तो कुछ लोगों ने इसे ड्रेस का हिस्सा या डिजाइन समझा, लेकिन बाद में साफ हो गया कि उनकी ड्रेस फटी हुई थी। यह घटना 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के दौरान उस समय हुई जब उर्वशी फिल्म श्व् ।हमदज ैमबतमजक्य की स्क्रीनिंग में शामिल होने पहुंचीं। इस मौके पर उन्होंने नाजा सादे कॉउचर की एक ब्लैक सिल्की साटिन ड्रेस पहनी। इस गाउन में कोर्सेटेड टॉप, फुल स्लीव्स, डीप नेकलाइन, प्लीटेड स्कर्ट और लंबा ट्रेल शामिल है। उन्होंने इस लुक को हाई बन हेयरस्टाइल, कोरल लिपस्टिक और चमकदार ज्वेलरी के साथ पूरा किया। उर्वशी का यह वीडियो फैशन क्रिटिक पेज डाइट सब्या ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा,ष्देखो, मेहनत की इज्जत होनी चाहिए। बिचारी, मुझे उसके लिए बुरा लग रहा है। कान्स में रेड कार्पेट पर चलना, जहां कोई पैपराजी नहीं है, मौत का चुम्बन है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई कि क्या यह सिर्फ एक गलती थी या पब्लिसिटी के लिए जानबूझकर ऐसा किया गया? उर्वशी के इस ऊप्स मोमेंट ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी इवेंट में इस तरह की चूक कैसे हो सकती है।

रश्मिका मंदाना की नई दोस्ती ने मचाई ग्लोबल लेवल पर धूम, स्टिच के साथ जुड़ी अनोखी बॉन्डिंग

रश्मिका मंदाना एक बार फिर अपने फैंस का दिल जीत रही हैं। इस बार उनकी नई पोस्ट में उनका नया बीएफएफ नजर आ रहा है, वॉल्ट डिज्नी स्टूडियोज की मच अवेटेड समर एंटरटेनमेंट फिल्म लिलो एंड स्टिच का शरारती और क्यूट स्टिच। रश्मिका, जो अपने मजेदार किरदारों, यादगार अंदाज और पॉप–कल्चर के प्रति अपने अनोखे प्यार के लिए जानी जाती हैं, इस बार प्यारे, नटखट नीले एलियन स्टिच के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं, जिससे फैंस के बीच काफी एक्साइटमेंट है। इतना क्यूट कि संभालना मुश्किल, और इतना क्रेजी कि नजरअंदाज करना नामुमकिन। मेरी बेस्टी मुझे पागलपन और खुशियों से भर रही है! प्लीज बताओ कि मैं ही अकेली नहीं हूं जो इस पर फिदा हो रही है।लिलो एंड स्टिच एक बढ़िया मजेदार और दिल को छू जाने वाली कहानी है। ये कहानी है एक अकेली हवाइयान लड़की और एक भागे हुए एलियन की, जो उसके टूटे परिवार को जोड़ने में मदद करता है। डिज्नी की एनिमेटेड क्लासिक फिल्म लिलो–स्टिच का लाइव–एक्शन रीमेक 23 मई 2025 को भारत के थिएटर्स में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगा।

कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहारिया जान्हवी कपूर को चीयर करने कान्स में पहुचे, होमबाउंड की स्क्रीनिंग में भी होंगे शामिल

> जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को कान्स फिल्म फेस्टिवल २०२५ में प्रतिष्ठित अन सर्टेन रिगार्ड के लिए चुना गया है। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले, जान्हवी की बहन खुशी, बेस्ट फ्रेंड ऑरी और कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहारिया फिल्म की स्क्रीनिंग में शामिल होने के लिए फ्रेंच रिवेरा पहुंचे। इन तीनों की खुशनुमा तस्वीरें ऑनलाइन सामने आई हैं।

अभिनेत्री जान्हवी कपूर चल रहे कान फिल्म महोत्सव में रेड कार्पेट पर पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, और उनकी सबसे बड़ी चीयरलीडर्स – बहन खुशी कपूर और ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहारिया – उनका उत्साहवर्धन करने के लिए तैयार हैं। करण जौहर, ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर के साथ कान्स पहुंचे।

जान्हवी को सपोर्ट करने कान्स पहुंचे शिखर

शिखर पहाड़िया के हाथ में चोट है। इसके बावजूद वे अपनी गर्लफ्रेंड जान्हवी को सपोर्ट करने वहां पहुंचे हैं। कान्स से शिखर पहाड़िया की एक फोटो सामने आई है, जिसमें वे खुशी कपूर, ओरी और करण जौहर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। बाकी तस्वीरों में जहां करण पिंक सूट में स्टाइलिश पोज दे रहे हैं, वहीं एक तस्वीर में वे ब्लू कैजुअल आउटफिट में खुशी और शिखर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में शिखर पहाड़िया ग्रीन टी–शर्ट के साथ व्हाइट पैंट में नजर आ रहे हैं।

होमबाउंड को कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रतिष्ठित अन सर्टेन रिगार्ड के लिए चुना गया

जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में प्रतिष्ठित अन सर्टेन रिगार्ड के लिए चुना गया है। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले, जान्हवी की बहन खुशी, बेस्ट फ्रेंड ऑरी और कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहारिया फिल्म की स्क्रीनिंग में शामिल होने के लिए फ्रेंच रिवेरा पहुंचे। इन तीनों की खुशनुमा तस्वीरें ऑनलाइन सामने आई हैं। तस्वीरों में तीनों के साथ करण जौहर भी हैं। उन्हें अपने कैजुअल कपड़ों में देखा जा सकता है और कैमरे के सामने अपनी चमकदार मुस्कान बिखेरते हुए पोज देते हुए देखा जा सकता है।

शिखर और जान्हवी के बारे में

शिखर और जान्हवी कपूर एक–दूसरे को बचपन से जानते हैं। इतना ही नहीं, दोनों सालों पहले डेट करते थे, लेकिन अज्ञात कारणों से वे अलग हो गए। हालांकि, अब एक बार फिर दोनों रिलेशनशिप में हैं। भले ही जान्हवी शिखर के साथ अपने रिश्ते को खुलकर स्वीकार न करें, लेकिन उनके साथ घूमना, पार्टी करना और यहां तक घ्कि उनके नाम का पेंडेंट पहनना यह साबित करता है कि दोनों एक–दूसरे को लेकर गंभीर हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में

होमबाउंड के अलावा जान्हवी कपूर के पास कई अपकमिंग प्रोजेक्ट हैं। वे राम चरण के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। उनके पास देवरारू पार्ट 2 भी है। इसके अलावा वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म परम सुंदरी और वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी नजर आएंगी।

तन्वी द ग्रेट स्टार पल्लवी जोशी ने कान्स 2025 से शेयर किए खूबसूरत पल

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर पल्लवी जोशी ने हाल ही में प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल से अपने खास पलों की झलक फैंस के साथ शेयर की है। वह अपनी आने वाली फिल्म तन्वी द ग्रेट को रिप्रेजेंट कर रही थीं। इस दौरान पल्लवी ने कुछ शानदार तस्वीरें शेयर कीं, जो इस इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर उनकी एक्साइटमेंट और इवेंट की शान को बखूबी दिखाती हैं। बता दें कि यह पल्लवी का कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू था। सादगी और शालीनता से सजी पल्लवी जोशी की मौजूदगी ने कान्स में न सिर्फ उनके आत्मविश्वास भरे अंदाज पर, बल्कि उनकी उन दमदार कहानियों पर भी ध्यान खींचा, जिन्हें वह बड़े पर्दे पर लेकर आती हैं। तन्वी द ग्रेट, जिसे अनुपम खेर ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया है, एक ऐसी कहानी है जो गहरी भावनाओं और सामाजिक पहलुओं को छूती है। फिल्म में पल्लवी जोशी श्विद्या रैनाश् के किरदार में नजर आएंगी, साथ ही उनके संग एक मजबूत कलाकारों की टीम भी है। कान्स में तन्वी द ग्रेट के बाद पल्लवी जोशी अब अपनी अगली फिल्म द दिल्ली फाइल्स द बंगाल चौप्टर की तैयारी में हैं। फाइल्स सीरीज की ये नई कड़ी भारत के इतिहास के कुछ अनकहे सच और घटनाओं पर रोशनी डालेगी, जिन्होंने आज के भारत को आकार दिया है।

टैनिंग की वजह से स्किन हो गयी है काली! दादी–नानी के नुस्खों से पाएं साफ और निखरी त्वचा

गर्मी दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है और इसका असर सिर्फ हमारी सेहत पर नहीं, बल्कि हमारी त्वचा पर भी पड़ रहा है। तेज धूप में बाहर निकलने से स्किन का ग्लो कम हो जाता है और टैनिंग की समस्या शुरू हो जाती है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा फिर से पहले जैसी चमकदार और साफ दिखे, तो आपको घरेलू नुस्खों का सहारा जरूर लेना चाहिए।

दादी–नानी के कुछ आसान लेकिन असरदार उपाय आपकी त्वचा को फिर से दमकता हुआ बना सकते हैं।

टैनिंग से कैसे बचें? अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बेसन और दही का फेसपैक

बेसन और दही दोनों ही स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। पुराने समय से ही इनका इस्तेमाल सौंदर्य बढ़ाने के लिए किया जाता रहा है।

कैसे लगाएंरू एक कटोरी में थोड़ा सा बेसन लें। उसमें उतनी ही मात्रा में दही मिलाएं। दोनों को अच्छे से मिक्स करें जब तक एक स्मूद पेस्ट न बन जाए। अब इसे अपने चेहरे या जहां भी टैनिंग है, वहां लगाएं।कुछ देर बाद जब यह सूख जाए तो हल्के हाथों से धो लें। यह नुस्खा स्किन से टैनिंग हटाने में बहुत असरदार होता है। इसे हफ्ते में 2–3 बार इस्तेमाल करें।

आलू और नींबू का पेस्ट

आलू और नींबू दोनों ही स्किन को नेचुरली साफ करने में मदद करते हैं। इनमें ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं जो त्वचा की रंगत निखारती हैं।

कैसे बनाएं और लगाएंरू एक आलू को छीलकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में थोड़ा नींबू का रस मिला दें। दोनों को अच्छे से मिक्स करें। इस मिक्सचर को अपनी त्वचा पर लगाएं, खासकर जहां टैनिंग ज्यादा हो। इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार लगाएं और कुछ ही दिनों में असर दिखाई देने लगेगा। अगर आप चाहते हैं कि आपकी स्किन गर्मियों में भी दमकती रहे, तो महंगे प्रोडक्ट्स की जगह इन आसान और प्राकृतिक उपायों को अपनाइए। इन नुस्खों से न सिर्फ आपकी त्वचा की टैनिंग दूर होगी, बल्कि स्किन हेल्दी और फ्रेश भी नजर आएगी।

स्मोकिंग जितना ही नुकसानदायक है वेपिंग, 4 गुना बढ़ सकता है हार्ट डिजीज का खतरा

आप सभी ने वेपिंग के बारे में तो सुना ही होता। यह बैटरी से चलने वाले डिवाइस से निकलने वाले धुएं को सांस में लेने का प्रोसेस है। इसको वेप पेन या ई सिगरेट के नाम से भी जाना जाता है। यह सिगरेट पीने की तरह ही होता है। हालांकि इसमें तंबाकू नहीं जलाई जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में युवा आबादी के बीच वेपिंग का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है। युवा अन्य तंबाकू प्रोडक्ट की तुलना में ई–सिगरेट या वेप्स का अधिक उपयोग करते हैं। वहीं कई लोग इसे स्मोकिंग से ज्यादा सेफ मानते हैं। लेकिन वेपिंग से भी व्यक्ति को ऑर्गन डैमेज, सांस लेने में समस्या और लत समेत कई गंभीर नुकसान होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वेपिंग से होने वाले नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं।

वेपिंग के नुकसान

वेपिंक को सिगरेट पीने की तुलना में अधिक सुरक्षित माना जाता है। लेकिन वेपिंग से कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

हार्ट को नुकसान

रेगुलर सिगरेट और ई–सिगरेट में निकोटीन प्राइमरी एजेंट पाया जाता है। जोकि अत्यधिक नशे की लत होती है। निकोटीन एक विषैला पदार्थ है। यह आपके ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करता है। साथ ही एड्रेनालाईन को बढ़ाता है। जिससे हृदय की गति बढ़ जाती है और हार्ट अटैक पड़ने की संभावना बढ़ जाती है।

वेपिंग की लत

एक रिपोर्ट के मुताबिक ई–सिगरेट और रेगुलर सिगरेट दोनों में निकोटीन पाया जाता है। यह हेरोइन और कोकीन की तरह ही लत लगाने वाला हो सकता है।

ऑर्गन डैमेज

ई–सिगरेट या वेपिंग के इस्तेमाल से ऑर्गन डैमेज का खतरा भी हो सकता है। क्योंकि ई–लिक्विड में मौजूद निकोटीन और अन्य पदार्थ आपके फेफड़ों के अलावा दिल और मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए इसमें मौजूद निकोटीन ब्रेन के विकास को भी नुकसान पहुंचा सकता है। यह ब्लड प्रेशर को भी बढ़ा सकता है। साथ ही यह आर्टरीज को संकीर्ण कर सकता है।

कैंसर

बता दें कि ई–लिक्विड में मौजूद तत्व कैंसर की वजह बनते हैं।

लंग डिजीज

वहीं कई अध्ययनों से पता चलता है कि ई–सिरगेट के इस्तेमाल से फेफड़ों से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। इसके इस्तेमाल से अस्थमा का खतरा भी बढ़ सकता है।

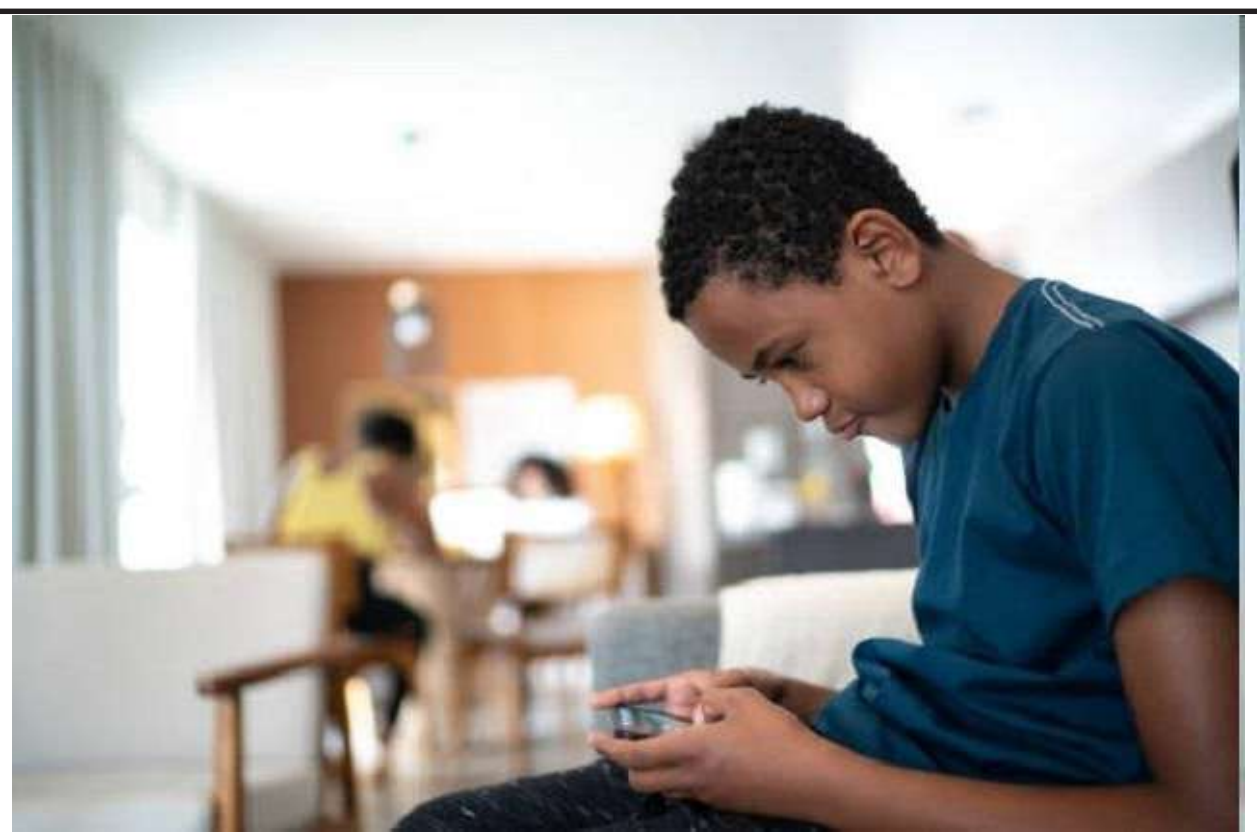

मोबाइल ने टेढ़ी कर दी हड्डियां, गर्दन तक उठाना हो गया मुश्किल, सहारे के लिए लगवाने पड़े स्क्रू और मेटल रॉड

जापान में एक 25 साल के युवक को घंटों तक मोबाइल पर गेम खेलने की आदत ने उसकी सेहत पर गहरा असर डाला। यह युवक घंटों तक अपनी गर्दन झुका कर मोबाइल का इस्तेमाल करता था, जिसके कारण उसे एक दुर्लभ बीमारी का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों ने उसे ड्रॉपिंग हेड सिंड्रोम नामक बीमारी का शिकार बताया। इस बीमारी के कारण युवक की गर्दन की हड्डियां टेढ़ी हो गई और उसे गर्दन को खुद से उठाने में कठिनाई होने लगी।

मोबाइल पर गेम खेलने की आदत ने किया नुकसान

यह मामला मेडिकल जर्नल जेओएस केस रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुआ जिसमें बताया गया कि युवक की गर्दन की हड्डियां लगातार झुकी रहने के कारण कमजोर हो गईं और रीढ़ की ऊपरी हड्डियों पर स्कार टिशू बन गए। डॉक्टरों का कहना है कि युवक घंटों तक मोबाइल पर गेम खेलता था, जिससे उसकी गर्दन की मांसपेशियां कमजोर हो गईं। लगातार गर्दन झुकी रखने से उसके पीछे एक गोला भी उभर आया था। इलाज से पहले युवक को गर्दन में तेज दर्द और खाने–पीने में दिक्कत होने लगी थी। इसके कारण उसका वजन तेजी से घटने लगा। युवक को अब अपनी गर्दन उठाने में भी मुश्किल होने लगी थी। डॉक्टरों ने पहले कॉलर का सहारा लिया, लेकिन जब युवक को गर्दन में सुन्नपन महसूस हुआ, तब सर्जरी करने का फैसला लिया गया।

सर्जरी और उपचार

सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने युवक की गर्दन की हड्डियों की टेढ़ी स्थिति को ठीक किया और खराब हो चुकी टिशू को हटाया। इसके बाद गर्दन की हड्डियों में स्क्रू और मेटल रॉड लगाई गई। सर्जरी के लगभग 6 महीने बाद युवक की स्थिति में सुधार आया। अब वह आसानी से अपनी गर्दन उठा सकता था और उसकी सेहत सामान्य हो गई थी।

युवक का मानसिक संघर्ष और मोबाइल का प्रभाव

डॉक्टरों के अनुसार, यह युवक बचपन में काफी एक्टिव था, लेकिन किशोरावस्था में वह स्कूल में बच्चों के मारपीट का शिकार हुआ। इस कारण उसने स्कूल छोड़ दिया और खुद को कमरे में बंद कर लिया। युवक ने अपनी सामाजिक गतिविधियों से दूर रहकर अपना समय मोबाइल पर गेम खेलने में बिताना शुरू किया। इसी आदत ने उसकी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित किया और उसे यह दुर्लभ बीमारी हो गई।

क्या है ड्रॉपिंग हेड सिंड्रोम?

ड्रॉपिंग हेड सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी गर्दन को खुद से उठाने में सक्षम नहीं होता। यह समस्या न्यूरोमस्कुलर बीमारियों से जुड़ी होती है, लेकिन इसका एक और कारण लंबे समय तक गर्दन को झुका कर रखना भी हो सकता है। इस सिंड्रोम में गर्दन की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और वह गर्दन को सही तरीके से सहारा देने में असमर्थ होती हैं। यह बीमारी आमतौर पर कुछ विशेष मांसपेशियों या तंत्रिका संबंधी समस्याओं के कारण होती है, लेकिन लगातार गलत मुद्रा में बैठे रहने या झुकी हुई गर्दन की स्थिति को बनाए रखने से भी यह हो सकती है। यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो यह स्थिति गंभीर हो सकती है, जैसे कि इस युवक के साथ हुआ। यह मामला यह दिखाता है कि मोबाइल पर अत्यधिक समय बिताना और गलत मुद्रा में रहना शरीर पर किस प्रकार के नकारात्मक असर डाल सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक गर्दन में दर्द या सूजन महसूस हो, तो उसे अपनी स्थिति को सुधारने के लिए समय रहते इलाज करवाना चाहिए। साथ ही, इस बीमारी से बचने के लिए सही बैठने की मुद्रा और शरीर के साथ संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

अट्रैक्टिव हेयर स्टाइल के लिए बालों में लगाएं ये हेयर बैंड, मिलेगा खूबसूरत लुक

हम सभी को ट्रेंडी हेयर स्टाइल बनाना पसंद होती है। जिसके लिए हम अक्सर पार्लर जाकर हेयर स्टाइल करवाते हैं। तो वहीं कई बार वीडियो देखकर हेयर स्टाइल क्रिएट करते हैं। लेकिन खुले बालों में किस तरह की एक्सेसरीज लगाना चाहिए, यह समझ नहीं आता है। ऐसे में आप अपने हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हेयर बैंड बना सकती हैं।

वहीं आपको हेयर बैंड अलग–अलग डिजाइन में मिल जाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर बैंड डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्टोन वर्क हेयर बैंड

बालों में लगाने के लिए आप स्टोन वर्क वाले हेयर बैंड ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के हेयर बैंड लगाने से हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगता है। वहीं आपका हेयर लुक भी अच्छा लगेगा। आप खुले बालों में इस तरह के हेयर बैंड को लगाएं। फिर पीछे के बालों को कर्ल करें। इससे आपका हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह का हेयर बैंड 40 से 100 रुपए के बीच में मिल जाएगा।

हेयर बैंड

अगर आप भी अपने हेयर स्टाइल को अच्छा बनाना चाहते हैं तो आप इस तरह के हेयर बैंड ट्राई कर सकती हैं। इससे भी आपका हेयर स्टाइल अच्छा लगेगा। इस तरह के हेयर बैंड में आपको वाइयर डिजाइन मिलेंगे। इसमें आपका ओपन हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह की हेयर एक्सेसरीज 30 से 50 रुपए में मिलेंगे।

वर्क वाला हेयर बैंड

अपनी हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप वर्क वाले हेयर बैंड का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह हेयर बैंड काफी अच्छे लगते हैं। इसमें छोटे–छोटे मोती मिलेंगे। वहीं इसको जिक–जैक डिजाइन में लगाया है। आप इस तरह के हेयर बैंड को लहंगे से लेकर सूट तक के साथ ट्राई कर सकती हैं। मार्केट में 20 रुपए से लेकर 100 रुपए तक में इस तरह के हेयर बैंड मिल जाएंगे।

वहीं आप खुले बालों में भी इस तरह के हेयर बैंड को स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका हेयर स्टाइल लुक काफी अच्छा लगेगा। वहीं आपको सिंपल हेयर एक्सेसरीज मिल जाएगी। आप इसको कभी भी ट्राई कर सकती हैं। इससे आपके लुक में चार चांद लग जाएंगे।

फर्टिलिटी सुधारने के लिए रोजाना करें ये योगासन, कंसीव करने में होगी आसानी

फर्टिलिटी की समस्या को कम करने में योग सुरक्षित और प्रभावी तरीका हो सकता है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका नियमित रूप से अभ्यास करने से गर्भ धारण की संभावना बढ़ सकती है।

वर्तमान समय में फर्टिलिटी एक बड़ी समस्या है। खास बात यह है कि महिला और पुरुषों दोनों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। अगर आप इस समस्या से प्रभावित हैं, तो इससे कपल के मां–बाप बनने के सपने में दिक्कतें आ सकती हैं। हालांकि फर्टिलिटी की समस्या को कम करने में योग सुरक्षित और प्रभावी तरीका हो सकता है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका नियमित रूप से अभ्यास करने से गर्भ धारण की संभावना बढ़ सकती है।

असरदार हैं ये योगासन

सेतुबंधासन

इस आसन का अभ्यास करने से फर्टिलिटी में सुधार होता है। वहीं यह प्रजनन अंगों में ब्लड फ्लो को बढ़ाता है और फर्टिलिटी की समस्या दूर होती है। सेतुबंधासन के लक्षणों को भी कम करता है।

पश्चिमोत्तानासन

पश्चिमोत्तानासन मांसपेशियों को स्ट्रेच करने के साथ फर्टिलिटी में भी सुधार हो सकता है। साथ ही यह स्ट्रेस को मैनेज करने में काफी प्रभावी होता है। यह योगासन महिला और पुरुष को बांझपन की समस्या से छुटकारा दिलाने वाला है।

बटरफ्लाई

बटरफ्लाई आसन भी फर्टिलिटी को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। इस आसन का नियमित अभ्यास करने से प्रसव के दौरान होने वाला दर्द भी कम होता है और शरीर में भी लचीलापन आता है।

बालासन

फर्टिलिटी की समस्या को हल करने के लिए बालासन का अभ्यास करना चाहिए। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से हमारे शरीर का ब्लड फ्लो बढ़ता है और शरीर को लाभ मिलता है। फर्टिलिटी बढ़ाने के लिए भी इस आसन का अभ्यास करना चाहिए। वहीं पीठ, घुटनों, कूल्हों और जांघों को भी मजबूत बनाने का काम करता है।

संक्षिप्त

25 साल माइक्रोसॉफ्ट ने नौकरी करने के बाद भी कंपनी से निकाला, अब पूर्व कर्मचारी की पत्नी ने बयां किया दर्द

लोग आमतौर पर किसी कंपनी में काम करते हैं तो अपनी पूरी शिद्दत से उस कंपनी के लिए तत्पर रहते है। हर कर्मचारी चाहता है कि उसके काम करने के दौरान कंपनी का विकास होता रहे और कंपनी अच्छी ग्रोथ करे। वर्षों तक निष्ठा के साथ कंपनी में नौकरी करने के बाद भी अगर समय पड़ने पर कंपनी साथ ना देते हुए बाहर का रास्ता दिखा दे तो ये दुखद अनुभव होता है। इन दिनों सोशल मीडिया पर माइक्रोसॉफ्ट का एक मामला चर्चा में है, जो कंपनी के पूर्व कर्मचारी की पत्नी ने साझा किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक महिला ने पोस्ट किया कि मेरे पति ने 25 वर्षों तक माइक्रोसॉफ्ट में काम किया। माइक्रोसॉफ्ट में काम करने के दौरान उन्होंने कभी छुट्टी नहीं ली। यहां तक की बीमार होने पर भी घर से ही काम करते थे। दिन रात एक करने के बाद भी अपने साथियों की काम में मदद की। त्योहार में भी घर से ही काम किया यहां तक अपने हक का प्रमोशन भी नहीं मांगा। मगर अब कंप्यूटर एल्गोरिदम की वजह से उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है। महिला ने बताया कि उनके पति ऑटिज्म से पीड़ित है। उन्हें मल्टीपल स्क्लेरोसिस की समस्या भी है। सेहत से जूझते हुए भी उनके पति ने कभी भी अपने काम पर असर नहीं होने दिया। मगर कंप्यूटर के एल्गॉरिदम के कारण उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। ये सब तब हुआ जब उनके पति का 48वां जन्मदिन आने वाला था। बता दें कि माइक्रोसॉफ्ट ने हाल ही में 6000 कर्मचारियों की बहुत बड़ी छंटनी की है। एआई में निवेश बढ़ाने के लिए ये फैसला कंपनी ने किया है। माइक्रोसॉफ्ट के इतिहास में ये कंपनी की दूसरी सबसे बड़ी छंटनी है। इस छंटनी के कारण अमेरिका में 2000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है।

एप्पल ने डोनाल्ड ट्रंप की भी नहीं सूनी, भारत में किया बड़ा निवेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय पहले ही एप्पल को नसीहत दी थी कि भारत में वो निवेश ना करे। डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल को साफ तौर पर जाहिर किया था कि वो नहीं चाहते कि कंपनी भारत में किसी तरह का निवेश करे। हालांकि ट्रंप की इच्छा के विरुद्ध कंपनी भारत में अपना बड़ा कदम उठाने जा रही है। एप्पल की महत्वपूर्ण सप्लायर कंपनी फॉक्सकॉन भारत में अपने प्लांट के ऑपरेशन के लिए बीते पांच दिनों में 1.24 बिलियन डॉलर (12,800 करोड़ रुप) का निवेश किया है। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में ये जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक यूझान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के फॉक्सकॉन के तमिलनाडु यूनिट में ये निवेश हुआ है। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने ये निवेश ऐसे समय में किया है जब चीन

में अपने कारोबार को भारत में शिफ्ट करने की तैयारी में है। एप्पल भारत में अपना प्रोडक्शन तेजी के साथ बढ़ाना चाहती है। इससे पहले एप्पल के सीईओ टिम कुक ने ऐलान किया था कि अमेरिका मं जून क्वार्टर में बिकने वाले अधिकतर आईफोन भारत में निर्मित होंगे। वहीं अब टैरिफ अनिश्चितता को देखते हुए चीन में बने फोन ही दुनिया में भेजे जाएंगे जहां उन्हें बेचा जाएगा। वित्त वर्ष 2025 के दौरान फॉक्सकॉन की भारत से दोगुणी आय हुई है जो लगभग 20 बिलियन डॉलर के आसपास है। इस आय का मुख्य रूप से हिस्सा आईफोन प्रोडक्शन के तौर पर आया है। एसएंडपी ग्लोबल की मानें तो एप्पल ने वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में कुल 759 लाख फोन बेचे है। बता दें कि एप्पल ने मार्च के महीने में ही 31 लाख फोन भारत से निर्यात किए है। निर्यात को बढ़ाने के लिए कंपनी को अपना प्रोडक्शन बढ़ाना होगा। इसके अलावा कंपनी दूसरे यूनिट से प्रोडक्शन भी कर सकती है। सरकार की मानें तो एप्पल का दुनिया भर में जितना उत्पादन होता है उसका 15 फीसदी उत्पादन भारत में होता है। एप्पल वित्तीय वर्ष में इस उत्पादन को बढ़ाकर 6 करोड़ तक पहुंचाना चाहती है।

इन शेयरों में हुई तेज शुरुआत, फिर फिसला बाजार, निवेशकों में कन्फ्यूजन जारी

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को कारोबार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई है। शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ दोनों इंडेक्स निफ्टी50 और सेंसेक्स ने अच्छी शुरुआत की। हालांकि बाजार के खुलने के

बाद दोनों ही इंडेक्स में कन्फ्यूजन का दौर भी देखने को मिला। दोनों इंडेक्स कारोबार के साथ ही निवेशकों को कन्फ्यूज कर रहे है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 82,116 के स्तर पर खुला। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 50 अंक की बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। वहीं बाजार खुलने के महज 15 मिनट बाद ही दोनों इंडेक्स लाल निशान पर कारोबार करने लगे। शुरुआती कारोबार में टाटा स्टील और इंफोसिस के शेयर हरे निशान पर तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में भी जोरदार खरीददारी देखने को मिली है। शेयर बाजार में कुछ स्मॉलकैप शेयर खुलने के साथ ही 20 फीसदी का उछाल देखने लगे।

लखनऊ समेत 5 टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर, अब मुंबई-दिल्ली के बीच 21 मई को वर्चुअल नॉकआउट

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 अब दिलचस्प मोड़ तक पहुंच चुका है। प्लेऑफ के लिए जंग दिलचस्प हो चली है। अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि पांच टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स भी सनराइजर्स हैदराबाद से हारकर इस दौड़ से बाहर हो गई। अब सिर्फ दो टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है। ये दो टीमें हैं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स। अब मुंबई और दिल्ली के बीच 21 मई को होने वाला मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट होगा। अगर इस मैच में दिल्ली की टीम हारी तो प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। उनके लिए जीत ही एकमात्र विकल्प होगा। इससे पहले रविवार को डबल हेडर ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का फिलहाल पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में लखनऊ के अलावा राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं। आइए जानते हैं कि मुंबई और दिल्ली के प्लेऑफ के समीकरण क्या हैं...

गुजरात, पंजाब और बेंगलुरु ने कैसे किया क्वालिफाई?

17 मई को आरसीबी का कोलकाता के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया था। दोनों टीमों को एक–एक अंक मिले थे। इससे बेंगलुरु के 12 मैचों में 17 अंक हो गए थे। इसके बाद रविवार को गुजरात ने दिल्ली को और पंजाब ने राजस्थान को हराकर दो–दो अंक बटोरे। इससे गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक और पंजाब के 12 मैचों में 17 अंक हो गए। इन तीनों टीमों के अभी दो–दो और मैच बाकी हैं। ऐसे में ये टीमें 20 अंक का आंकड़ा भी पार कर सकती हैं। अन्य टीमों में सिर्फ मुंबई ही है जो 17 अंक को पार सकती है। दिल्ली अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं, लखनऊ अधिकतम 16 अंक तक पहुंच

सकती है। ऐसे में आरसीबी और पंजाब ने क्वालिफाई कर लिया।

बेंगलुरु, गुजरात और पंजाब ने बनाया रिकॉर्ड

बेंगलुरु ने पिछले छह सीजन में पांचवीं बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। वहीं, गुजरात ने पिछले चार सीजन में तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। हालांकि, यह पंजाब के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टीम ने 11 वर्षों में पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। टीम ओवरऑल तीसरी बार प्लेऑफ में पहुंची है। श्रेयस आईपीएल में पहले कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है। पंजाब से पहले वह दिल्ली के कप्तान (2019, 2020) रहते हुए और 2024 में कोलकाता के कप्तान रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं।

मुंबई की टीम कैसे क्वालिफाई कर सकती है?

मुंबई की टीम के दो मैच बाकी हैं। उन्हें 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स से मुंबई में और 26 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है। इन दोनों मैचों में जीत मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचा देगी। यहां तक कि मुंबई की दिल्ली पर जीत उन्हें प्लऑफ में पहुंचा देगी। अगर मुंबई की टीम दिल्ली को हरा देती है तो उनके 16 अंक हो जाएंगे। वहीं, दिल्ली के भी दो मुकाबले बचे हैं। हालांकि, मुंबई से हारने के बाद उनका सफर समाप्त हो जाएगा। आखिरी मुकाबला जीतने पर भी उनके 15 ही अंक हो पाएंगे और टीम मुंबई की बराबरी नहीं कर पाएगी। दिल्ली पर जीत के बाद अगर मुंबई की टीम अपने आखिरी मैच में पंजाब से हार भी जाती है तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दिल्ली के खिलाफ हार मुंबई के समीकरण को बिगाड़ सकती है। फिर उन्हें पंजाब के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, साथ ही यह मनाना होगा कि दिल्ली अपने आखिरी मैच में पंजाब से नहीं जीते। इस स्थिति में मुंबई के 16 और दिल्ली के 15 ही अंक रह जाएंगे और मुंबई की टीम क्वालिफाई कर जाएगी।

दिल्ली की टीम कैसे क्वालिफाई कर सकती है?

दिल्ली ने इस सीजन अपने अभियान की शुरुआत काफी शानदार अंदाज में किया था। टीम ने लगातार चार मैच जीते थे। सीजन के ज्यादातर हिस्से में यह टीम शीर्ष पांच में बनी रही। हालांकि, पिछले आठ मैचों में से पांच मैचों में हार ने इन्हें शीर्ष चार से बाहर कर दिया और टीम एलिमिनेट होने की दहलीज पर खड़ी है। टीम के पास अब मिचेल स्टार्क भी नहीं हैं। दिल्ली को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए हर हाल में अपने दोनों मैच जीतने होंगे। एक हार उनके सफर को समाप्त कर सकती है। मुंबई के खिलाफ एक तरह से यह टीम नॉकआउट मुकाबला खेलेगी। हार उन्हें बाहर कर देगी, जबकि जीत उनकी उम्मीदों को जीवंत बनाए रखेगी। दिल्ली की टीम अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है, लेकिन उसके लिए उन्हें दोनों मैच जीतने होंगे। दिल्ली को अब 21 मई को मुंबई इंडियंस से वानखेड़े में और 24 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है।

अभिषेक शर्मा से लड़ाई के बाद दिग्वेश राठी पर BCCI का एक्शन, लगा एक मैच का बैन

आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान में कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा के साथ तीखी नोकझोंक के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स के लेग स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी को एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है और उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में SRH की छह विकेट की जीत के दौरान दिग्वेश और अभिषेक के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मैदान से बाहर जाते समय दिग्वेश के उत्साहपूर्ण विदाई पर अभिषेक ने आपत्ति जताई। ˆत्भ के सलामी बल्लेबाज, जिन्होंने धमाकेदार अर्धशतक बनाया था, ने पलटकर अपने प्रतिद्वंद्वी को मुंहतोड़ जवाब दिया और ऑन–फील्ड अधिकारियों और रैळ खिलाड़ियों ने दोनों को अलग किया। बयान में कहा गया है कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इस आईपीएल सीजन में यह तीसरी बार था जब दिग्वेश को अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया। नतीजतन, उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में दो डिमेरिट अंक जोड़े गए जो कि पहले जमा किए गए तीन डिमेरिट अंकों के अतिरिक्त हैं – एक अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ और दो 4 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ। चूंकि दिग्वेश के पास कुल पांच डिमेरिट अंक हैं, इसलिए उन्हें एक मैच का निलंबन दिया गया है और वे गुरुवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ एलएसजी के अगले आईपीएल मैच का हिस्सा नहीं होंगे। 25 वर्षीय दिग्वेश पर उनके श्नोटबुकश उत्सव के लिए कई बार जुर्माना लगाया गया है, जिसके लिए उन्हें डिमेरिट अंक भी मिले हैं। दिल्ली से आने वाले, यह उनका पहला आईपीएल कार्यकाल है। इस बीच, तीखी नोकझोंक में उनकी भूमिका के लिए अभिषेक को भी दंडित किया गया है। 24 वर्षीय अभिषेक पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट अंक मिला है।

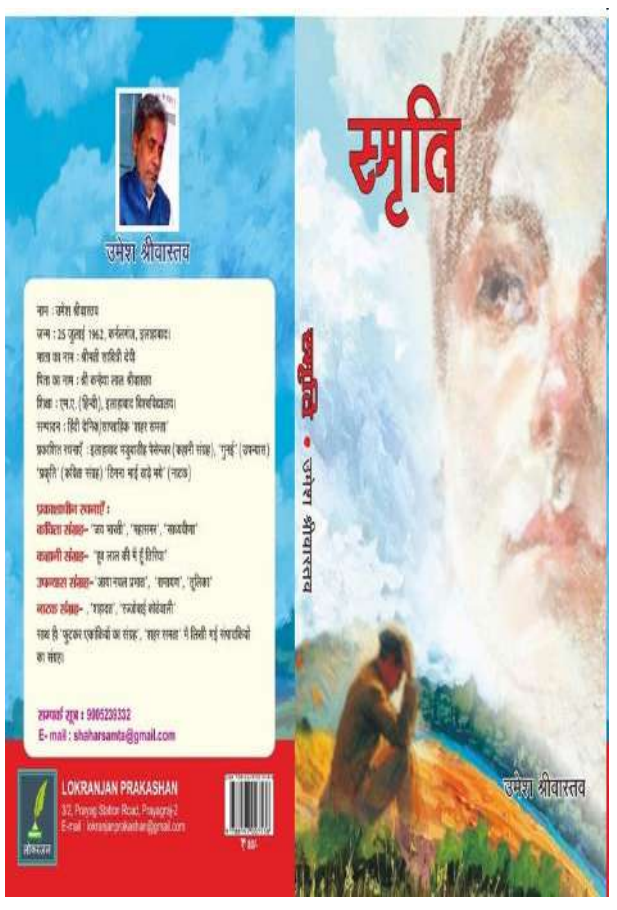

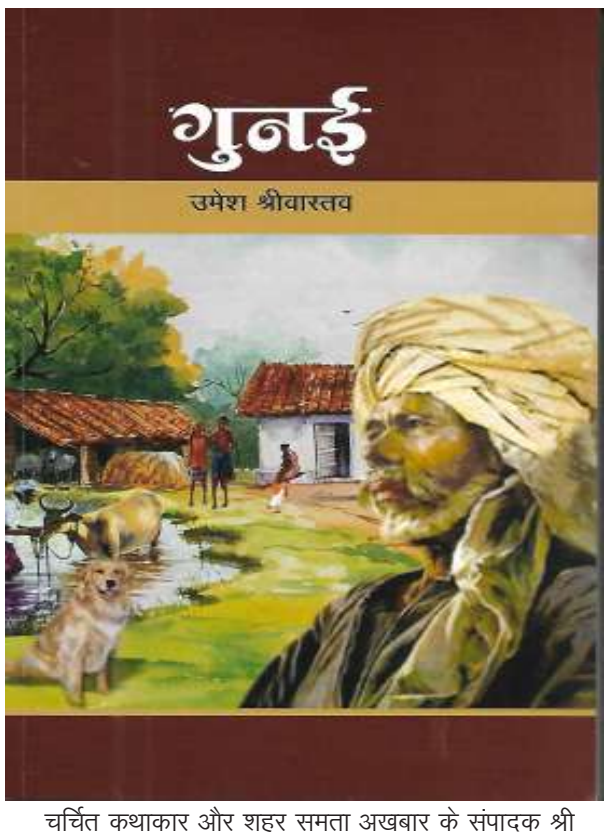

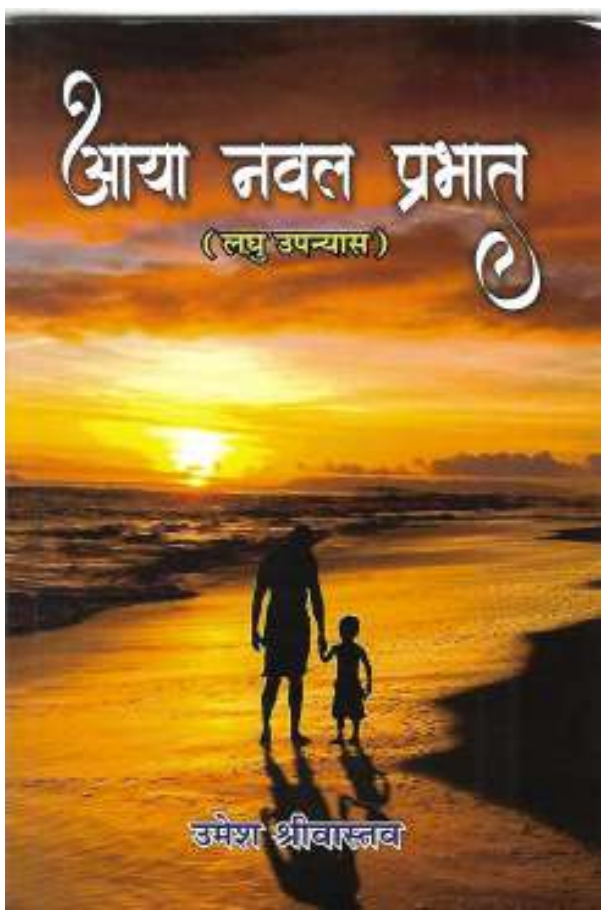

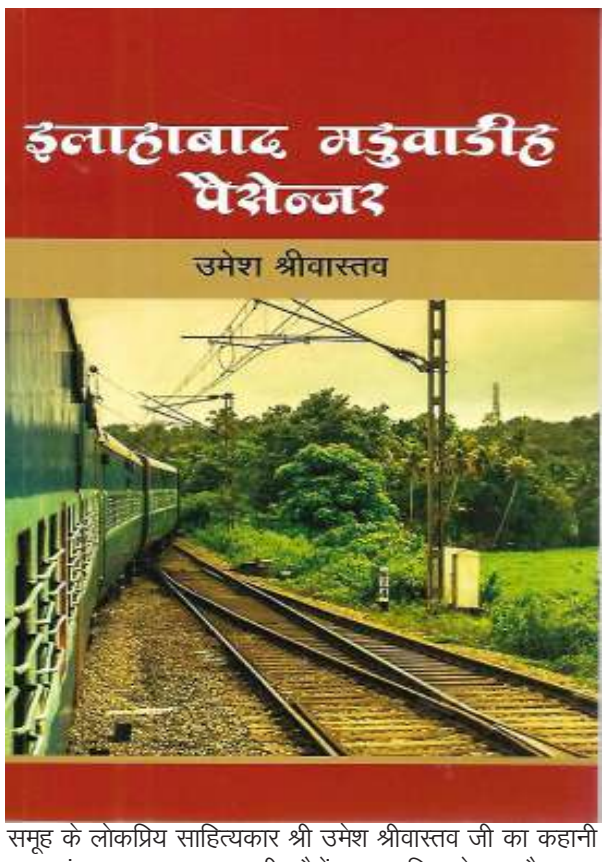

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

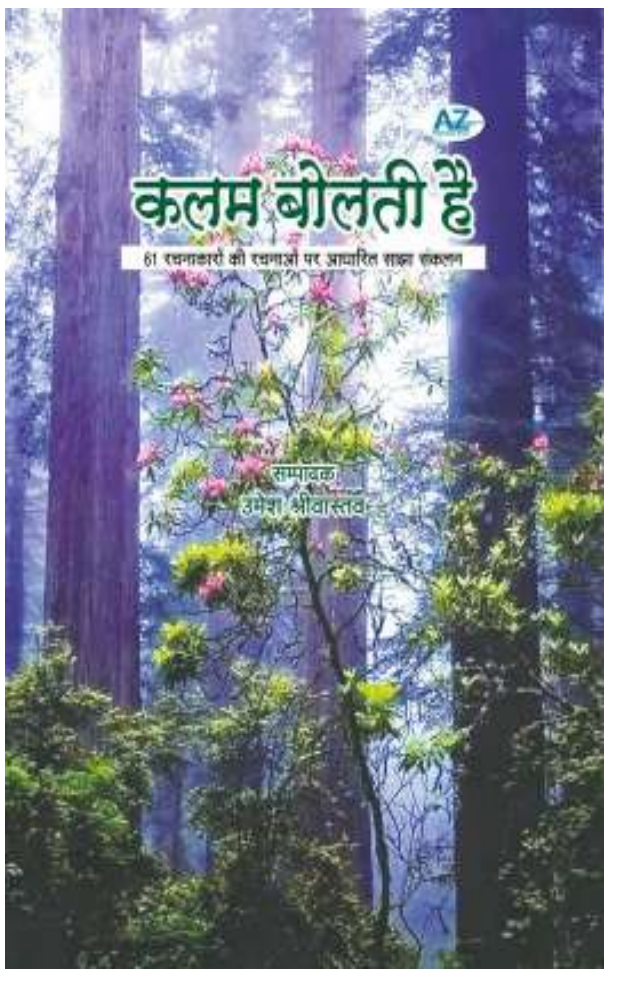

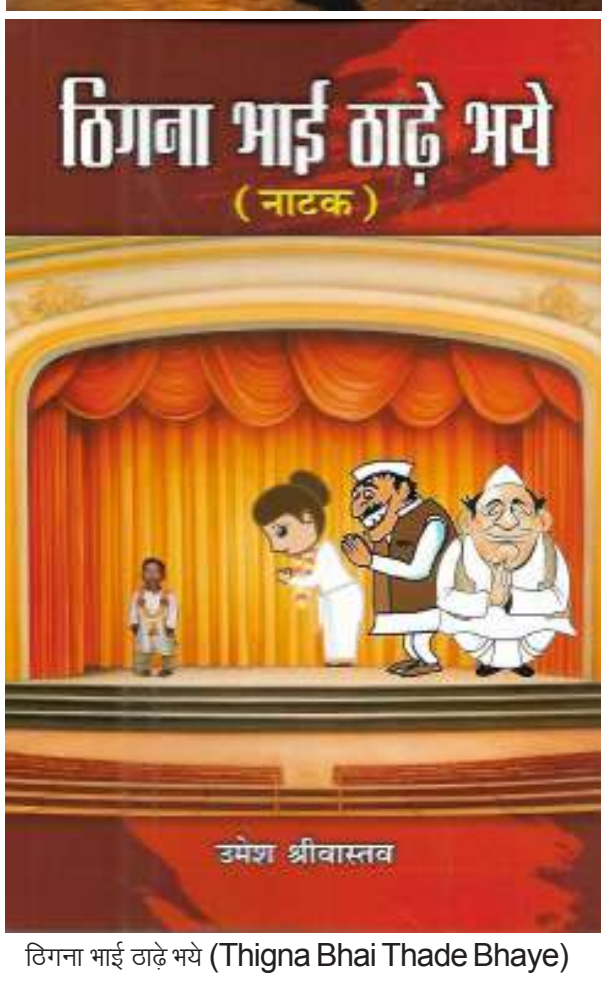

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पिता को दिल्ली बता पाकिस्तान निकल जाती थी ज्योति, मरियम नवाज से मिलता था खास निर्देश

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के पिता हरीश मल्होत्रा ने कहा है कि उन्हें ज्योति के पाकिस्तान दौरे के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ज्योति मल्होत्रा ने उन्हें बताया था कि वह दिल्ली जा रही है, लेकिन उसने पाकिस्तान जाने के बारे में कभी कुछ नहीं बताया। ज्योति को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दावा किया था कि ज्योति मल्होत्रा छ्के मोबाइल फोन और लैपटॉप पर संदिग्ध सामग्री मिली थी। वायरल तस्वीर में ब्लॉगर को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और पंजाब प्रांत की वर्तमान मुख्यमंत्री

मरियम नवाज शरीफ के साथ दिखाया गया है, जिससे पाकिस्तान में उनके संबंधों को लेकर सवाल और बढ़ गए हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, मल्होत्रा ध्छने पाकिस्तान उच्चायोग के पूर्व अधिकारी दानिश के साथ ऑपरेशन सिंदूर के बारे में अपनी चौट हिस्ट्री डिलीट कर दी है, जिससे महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने के प्रयास के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। दानिश नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में कर्मचारी था। उसे जासूसी के आरोपों में अवांछित व्यक्ति घोषित किए जाने के बाद 13 मई को भारत से निष्कासित कर दिया गया था। दानिश ने पाकिस्तान उच्चायोग में अपनी बैठक के दौरान मल्होत्रा को कई पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों से मिलवाया था। पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस के बारे में चर्चा करते समय दानिश ने अपनी पत्नी को भी ज्योति से मिलवाया। पाकिस्तान के लिए जासूसी और देश विरोधी गतिविधियों में पांच दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर चल रहीं यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की उम्र 33 साल है। उनके पिता हरीश ने बताया कि उन्होंने बेटी से कई बार शादी के लिए कहा लेकिन वह मना कर देती थी। वह बताते हैं कि कई बार उससे यह भी कहा कि तुम्हें कोई लड़का पसंद हो तो बता दो या फिर कहो तो हम देख लेते हैं लेकिन वह मना कर देती थी। वह कहती थी कि जब तलाक ही होना है तो शादी क्यों करनी। हरीश ने बताया उन्होंने कभी भी ज्योति के यूट्यूब के विडियो नहीं देखे। उनके पास मोबाइल था, जिसे पुलिस ले गई। ज्योति जब बाहर जाती थी तो उन्हें नहीं बताती थी कि कहां जा रही है। वह सिर्फ इतना ही बताती थी कि कितने दिनों के लिए जा रही है और कब लौटेगी। ज्यादातर मामलों में वह कहती थी कि दिल्ली जा रही है। उन्हें पता नहीं कि वह पाकिस्तान कब गई।

संक्षिप्त

पाकिस्तानी सेना की एक और करतूत, अपने ही लोगों पर ड्रोन हमले का शक, चार बच्चों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना की एक और करतूत सामने आई है। दरअसल पाकिस्तानी सेना पर आरोप लगा है कि उसने अपने ही लोगों पर ड्रोन हमला कर दिया। इस हमले में चार बच्चों की जान चली गई है। ड्रोन हमला पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में हुआ। जिसके बाद हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने न्याय की मांग की। इस हमले का शक पाकिस्तानी सेना पर जताया जा रहा है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य का नॉर्थवेस्ट इलाका पाकिस्तानी तालिबान का गढ़ माना जाता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नॉर्थवेस्ट के मीर अली इलाके में यह ड्रोन हमला किसने किया। अभी तक घटना को लेकर पाकिस्तान की सेना ने भी कोई बयान जारी नहीं किया है। एक स्थानीय नेता ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि श्हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन हमें न्याय चाहिए। सरकार को हमें ये बताना चाहिए कि किसने हमारे बच्चों को मारा श् प्रदर्शनकारियों ने मृतक बच्चों के शव सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय नेताओं ने धमकी देते हुए कहा कि अभी यह विरोध प्रदर्शन सीमित इलाके में हो रहा है, लेकिन अगर सरकार ने जवाब नहीं दिया तो यह बड़े पैमाने पर फैल सकता है। जब तक हमारे बेगुनाह बच्चों की हत्या के जिम्मेदारों के बारे में नहीं बताया जाता, तब तक हम शवों को नहीं दफनाएंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। इस ड्रोन हमले का शक पाकिस्तानी सेना पर इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पाकिस्तानी सेना पाकिस्तान तालिबान के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। मीर अली इलाका पाकिस्तानी तालिबान का गढ़ है। पाकिस्तान तालिबान के लड़ाके अक्सर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहते हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी सेना ने पाकिस्तानी तालिबान को निशाना बनाया, जिसकी जद में बेगुनाह लोग आ गए। स्थानीय मंत्री ने हमले की निंदा की और कहा कि इसकी जांच चल रही है।

'अगले साल फिर एवरेस्ट फतह करूंगा, 20 बार चढ़ने का है लक्ष्य', रिकॉर्ड तोड़ने वाले केंटन कूल का दावा

काठमांडू। ब्रिटिश पर्वतारोही केंटन कूल ने 19वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की, गैर–शेरपा गाइड की तरफ से दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे अधिक बार चढ़ने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके बाद मंगलवार को पहाड़ से लौटने पर उन्होंने कहा कि वे अपने अगली चढ़ाई की योजना बना रहे हैं। बता दें कि, दक्षिण–पश्चिम इंग्लैंड के 51 वर्षीय केंटन कूल ने रविवार को 8,849 मीटर की चोटी पर चढ़ाई की और फिर अपने ग्राहकों के साथ नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरी।

2004 से लगातार एवरेस्ट फतह कर रहे केंटन कूल

केंटन कूल ने पहली बार 2004 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी और तब से वे लगभग हर साल ऐसा करते आ रहे हैं। वह 2014 में एवरेस्ट पर चढ़ने में असमर्थ रहे थे क्योंकि उस साल 16 शेरपा गाइडों के हिमस्खलन में मारे जाने के बाद सीजन में चढ़ाई को रद्द कर दिया गया था। वहीं साल 2015 में जब भूकंप के कारण हिमस्खलन हुआ जिसमें 19 लोग मारे गए थे। जबकि कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 का चढ़ाई सत्र को भी रद्द कर दिया गया था। नेपाली शेरपा गाइड ने 30 बार की एवरेस्ट पर फतह

बता दें कि, केवल नेपाली शेरपा गाइड ने ब्रिटिश पर्वतारोही गाइड केंटन कूल से अधिक बार चोटी पर चढ़ाई की है। नेपाली शेरपा गाइड कामी रीता ने माउंट एवरेस्ट पर सबसे अधिक 30 बार चढ़ाई की है, जो वर्तमान में भी पहाड़ पर हैं और अगले कुछ दिनों में चढ़ाई करने की उम्मीद है।

इंडियाना में पुलिस अधिकारी की हत्या के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा, घातक इंजेक्शन लगाकर दिया गया मृत्युदंड

मिशिगन सिटी। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक व्यक्ति को वर्ष 2000 में एक पुलिस अफसर की हत्या के मामले में मौत की सजा दी गई है। यह पिछले 15 सालों में इस राज्य में दी गई दूसरी मौत की सजा है। जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान आरोपी बेंजामिन रिची और उसके साथियों ने इंडियाना के बीच ग्रोव शहर में एक कार चुराई थी। जब पुलिस अधिकारी टोनी ने रिची का पीछा किया, तब रिची ने उन पर चार गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

24 साल पुराने मामले में मौत की सजा

बता दें कि, 45 वर्षीय बेंजामिन रिची को साल 2002 में पुलिस अधिकारी बिल टोनी की हत्या के जुर्म में सजा सुनाई गई थी। बिल टोनी बीस ग्रोव पुलिस विभाग में काम करते थे और 31 साल के थे। वह दो बच्चों के पिता थे।

जेल में 22 साल के बाद मृत्युदंड

इस घटना के बाद 22 साल बाद आरोपी बेंजामिन रिची को इंडियाना के मिशिगन सिटी में स्थित राज्य कारागार में मंगलवार आधी रात के बाद घातक इंजेक्शन लगाकर मृत्युदंड दिया गया। रात 12ऱ46 बजे उसे मृत घोषित किया गया। वहीं मौत की सजा से पहले आरोपी रिची ने पैरोल बोर्ड (रिहाई बोर्ड) से कहा, मैंने अपनी और दूसरों की जिंदगियां बर्बाद कर दीं। उस रात के लिए मैं बेहद शर्मिंदा हूं। काश मैं अपने उस 20 साल के खुद को रोक पाता, जो किसी की सुनता ही नहीं था।

मानसिक बीमारी और बचपन की समस्याएं

मृत्युदंड से पहले रिची के वकीलों ने कोर्ट में यह दलील दी कि वह बचपन से मानसिक बीमारियों से पीड़ित था। उसकी मां ने गर्भावस्था के दौरान शराब और नशे का सेवन किया। रिची को फीटल अल्कोहल स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एफएएसडी) और बचपन में सीसे के जहर का सामना करना पड़ा था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

इज़राइल का बड़ा कदम, गाजा की मुसीबत होगी कम, नेतन्याहू के इस कदम से हमास को मिलेगा ऑक्सीजन

दो महीने तक खाने पानी के सामान की सप्लाई बंद रहने के बाद आखिरकार गाजा के लोगों के लिए एक राहत की खबर आई। इजरायल ने फिलहाल गाजा में खाद्य सामग्री यानी फूड सप्लाई की इजाजत दे दी है। 2 मार्च से इजरायल ने गाजा में खाने पीने की चीजों के आने पर रोक लगा दी थी। इजरायल की तरफ से गाजा में लगातार हमले जारी हैं। दावा किया जा रहा है कि ये हमले हमास के ठिकानों पर किए जा रहे हैं। इजरायल की तरफ से ऐलान किया गया है कि तकरीबन दो महीने की नाकाबंदी के बाद वो गाजा में सीमित मात्रा में मानवीय सहायता की इजाजत देगा। खाद्य सुरक्षा को लेकर दुनियाभर के विशेषज्ञों की तरफ से अकाल की चेतावनी दिए जाने के बाद इजरायल ने ये फैसला लिया है। हालांकि इस फैसले को लेकर इजरायल में विरोध भी देखने को मिला। आतंरिक मामलों के मंत्री इतमारमिर बोले कि ये हमास को ऑक्सीजन देने जैसा। इजरायल के

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान कर दिया कि उनकी सेना गाजा के हर हिस्से पर कब्जा करेगी। गाजा में इस वक्त जबरदस्त जमीनी और हवाई हमले चल रहे हैं, जिनमें अब तक सैकड़ों जानें जा चुकी हैं। इजरायल की सेना ने दक्षिण गाजा के शहर खान यूनिस और आसपास के इलाकों में रहने वालों से तत्काल इलाका खाली करने को कहा है। सेना ने इसे अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया। 19 मई को हुए हवाई हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। नेतन्याहू ने एक विडियो संदेश में कहा कि लड़ाई तेज है और हम आगे बढ़ रहे हैं। हम गाजा पट्टी के पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेंगे। हम हार नहीं मानेंगे। लेकिन सफल होने के लिए, हमें इस तरह से कार्य करना होगा जिसे रोका नहीं जा सके। उधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने गाजा की स्थिति को लेकर चेतावनी दी है कि वहां 20 लाख लोग भुखमरी की कगार पर हैं। इजरायल ने 24 घंटे में गाजा में 160 आतंकी ठिकानों पर हमले करने का दावा किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रमुख टेडरोस एडहेनॉम ने कहा कि हजारों टन खाना और दवाएं बॉर्डर पर फंसी हुई हैं, जबकि लोग अंदर तड़प रहे हैं। इस्राइल ने दो महीने पहले गाजा की पूरी नाकेबंदी कर दी थी, ताकि हमास पर दबाव बनाया जा सके। अब कुछ सीमित मानवीय मदद की इजाजत दी गई है।

पाकिस्तान सेना अपना सैन्य मुख्यालय रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा में शिफ्ट करने की तैयारी में, मगर वह इलाका भी भारत की मारक क्षमता के दायरे में है

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद को बड़ी चोट तो पहुँचाई ही है साथ ही हमें यह भी पता चल गया है कि अब पाकिस्तान का कोई भी कोना हमारी मारक क्षमता के दायरे से बाहर नहीं है। एक वरिष्ठ सेना अधिकारी ने इस बारे में कहा है कि भारत के पास पर्याप्त हथियार हैं और वह "हमारी सीमाओं से या गहराई तक जाकर पूरे पाकिस्तान" से मुकाबला करने में सक्षम है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिये एक साक्षात्कार में थलसेना के वायु रक्षा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा ने बताया है कि अगर भारत के हमले के डर से पाकिस्तान

सेना का मुख्यालय स्थानांतरित भी कर दिया जाए, तो उससे कोई खास लाभ नहीं होगा क्योंकि वह भारत की सैन्य ताकत की सीमा के भीतर ही रहेगा। डी'कुन्हा ने कहा, "भारत के पास पर्याप्त हथियार हैं जो पाकिस्तान को उसकी पूरी गहराई तक निशाना बनाने में सक्षम हैं।श् उन्होंने कहा कि हम अपनी सीमाओं से ही नहीं बल्कि उसके अंदर तक जाकर पूरे पाकिस्तान को निशाना बना सकते हैं। मुख्यालय चाहे रावलपिंडी से लेकर ख्र्ख (खैबर पख्तूनख्वा) या कहीं और चला जाए, वे सभी भारत की पहुंच में हैं। उन्हें कोई बहुत गहरा सुरंगनुमा ठिकाना ढूंढना पड़ेगा। इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी पर डी'कुन्हा ने कहा कि इस अभियान की सफलता ही इस बात का उत्तर है कि पाकिस्तान को इसकी पूर्व जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा, "किसी भी संघर्ष में सफलता के लिए 'सरप्राइज़' सबसे बड़ा तत्व होता है। और इस बात से ही आपको उत्तर मिल जाता है कि हमने (7–8 मई की सटीक स्ट्राइक में) सौ आतंकवादियों को उनके शिविरों में ही मार गिराया।" हम आपको यह भी बता दें कि एलओसी पर तैनात मेड इन इंडिया रक्षा उत्पादों को मीडिया को दिखाते हुए सैन्य अधिकारियों ने बताया है कि हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान इनकी सटीकता देखने लायक थी। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि हमारे रक्षा उत्पादों ने पाकिस्तान से आने वाले हर खतरे को रोका, उसे बेअसर किया और दुश्मन को चोट पहुँचाई।

वैश्विक आपदा की रोकथाम के लिए समझौता, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों ने पक्ष में किया मतदान

जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सदस्य देशों ने वैश्विक महामारी समझौते के पक्ष में मतदान किया। इस समझौते का मकसद भविष्य में किसी भी महामारी को रोकना है। इस समझौते पर आज डब्लूएचओ की बैठक में चर्चा होगी। डब्लूएचओ ने बताया कि बैठक के बाद विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष बयान जारी करेंगे।

महामारी को रोकना उद्देश्य

कोरोना महामारी के दौरान इस आपदा समझौते की शुरुआत की गई थी और इसकी मंजूरी देने से पहले तीन साल से अधिक समय तक इसे अपनाने की प्रक्रिया चली। इस समझौते में महामारी की रोकथाम के लिए जो कमियां हैं, उन्हें दूर करने पर बात हुई। डब्लूएचओ ने बयान में कहा कि श्इस महत्वपूर्ण समझौते को डब्लूएचओ संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत अपनाया गया। इसका उद्देश्य देशों, डब्लूएचओ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और अन्य हितधारकों के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि महामारी को रोका जा सके और भविष्य में महामारी संकट की स्थिति में बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

क्या बोले डब्लूएचओ के महानिदेशक

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस गैब्रेयियस ने कहा, श्दुनिया भर की सरकारें अपने देशों और वैश्विक समुदाय को महामारी के खतरों से सुरक्षित बना रही हैं। मैं विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों को कोविड–19 के बाद भविष्य की महामारियों से दुनिया को बेहतर तरीके से बचाने के लिए एक साथ आने का संकल्प लेने के लिए बधाई देता हूं। इस वैश्विक समझौते को विकसित करने के लिए उनका काम यह सुनिश्चित करेगा कि देश अगली महामारी के खतरे को रोकने और उसका जवाब देने के लिए बेहतर, तेज और अधिक समान रूप से एक साथ काम करें। इस समझौते के तहत पैथोजन एक्सेस एंड बेनेफिट शेयरिंग सिस्टम (च्।ठै)बनाया जाएगा। इसके लिए एक अंतरसरकारी कार्य समूह स्थापित किया जाएगा। इस पीएबीएस सिस्टम में फार्मा कंपनी भी शामिल की जाएंगी, ताकि महामारी की स्थिति में जल्द से जल्द वैक्सीन तैयार की जा सके।

रेड लाइट पार करने की लापरवाही पड़ी भारी; बेकाबू कार ने लोगों को रौंदा, तीन की मौत

वॉशिंगटन। ताइवान में एक बेकाबू कार ने पैदल लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 12 साल की एक बच्ची भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी (78 वर्षीय) कार चालक हादसे के बाद से कोमा में है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि एक चौराहे के ट्रैफिक पर रेड लाइट थी, लेकिन इसके बावजूद आरोपी ड्राइवर ने रेड लाइट को अनदेखा कर कार दौड़ा दी।

अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच गाजा में तबाही मचा रहे इस्राइली सैनिक, ताजा हमले में 60 लोगों की मौत

दीर अल–बलाह। इस्राइल की तरफ से गाजा पट्टी में हवाई हमला लगातार जारी है। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रात भर और मंगलवार तक गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों में कम से कम 60 लोग मारे गए हैं। इस्राइल ने हाल के दिनों में इस क्षेत्र में एक और बड़ा हमला किया है, जिसमें कहा गया है कि इसका उद्देश्य हमास की तरफ से बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों को वापस लाना और आतंकवादी समूह को नष्ट करना है।

उत्तरी गाजा में 22, दीर अल–बलाह में 13, खान यूनिस में 10 की मौत

मामले में गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा में दो हमलों में एक परिवार के घर और एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम 22 लोग मारे गए, जिनमें से आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे थे। वहीं अल–अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, केंद्रीय शहर दीर अल–बलाह में एक हमले में 13 लोग मारे गए, और पास के नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक और हमले में 15 लोग मारे गए। जबकि नासेर अस्पताल के अनुसार, दक्षिणी शहर खान यूनिस में दो हमलों में 10 लोग मारे गए। फिलहाल, इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई, जिसका कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौतों के लिए हमास को दोषी ठहराती है क्योंकि यह समूह घनी आबादी वाले क्षेत्रों में काम करता है। बता दें कि, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने इस्राइल के ऑपरेशन गिदोन चौरियट के तहत गाजा में विस्तारित सैन्य अभियानों की निंदा की है। यूरोपीय नेताओं ने गाजा में इस्राइल के प्रतिबंधों और पश्चिमी तट में बस्तियों के विस्तार की आलोचना की और धमकी दी कि अगर इस्राइल ने अपना आक्रमण नहीं रोका तो प्रतिबंधों समेत अन्य कार्रवाई की जाएगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।